संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 18
पृष्ठ 8
शुक्रवार
04 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नवरात्रि से पहले घर पर ....

विचार- भाजपा का अलोकतांत्रिक.....

खेल- आईपीएल २०२५: मोहम्मद....

हरियाणा में गरजे सीएम योगी आदित्यनाथ

घंटी भी बजेगी और शंख भी बजेगा, जिन्हें दिक्कत है वो कान बंद कर ले

लखनऊ, एजेंसी। विधानसभा चुनाव के प्रचार का आज अंतिम दिन है ऐसे में पार्टी के स्टार प्रचारक ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं। इसी कड़ी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हरियाणा के कई विधानसभा सीटों पर प्रचार किया। उन्होंने कहा कि सशक्त हरियाणा के लिए भारतीय जनता पार्टी संकल्पित है। राज्य में तीसरी बार कमल खिलाने के लिए यहां की जनता तैयार है। हरियाणा की राष्ट्रवादी जनता विकास चुनेगी, समृद्धि चुनेगी, एक बार फिर कमल चुनेगी। डबल इंजन की भाजपा सरकार ने हरियाणा में विकास, सुरक्षा और सुशासन की नींव को निरंतर मजबूत किया है। इसलिए, शाहबाद विधानसभा क्षेत्र की जनता–जनार्दन समृद्धि का कमल खिलाकर भाजपा को सेवा का अवसर देने जा रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने झूठ को फैलाने का काम किया। जो राहुल गांधी जी खटाखट–खटाखट कहने आते थे, आज वह मैदान छोड़कर पहले ही सफा–चट हो चुके हैं, लेकिन हरियाणा की जनता उसके झूठ को नकार दिया और भाजपा प्रत्याशी को दिल्ली की संसद में भेजने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा पर रोक थी, लेकिन जब भाजपा की सरकार बनी मैंने कहा, जिनको घंटे और शंख से परेशानी होती है, वो अपने कान बंद कर लें.. .कांवड़ यात्रा में डीजे भी बजेगा, घंटा–घड़ियाल भी बजेगा। उन्होंने कहा कि जो काम कांग्रेस पार्टी 500 वर्षों में नहीं हो पाया वह काम उत्तर प्रदेश की सरकार ने सिर्फ दो साल में करके दिखाया है। उन्होंने किस सनातनी को अयोध्या में राम मंदिर बनने से खुशी नहीं है लेकिन कांग्रेस दुखी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए। मंदिर निर्माण सहित धारा 370 हटाने का कार्य किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश में आतंकवाद बढ़ाने का कार्य किया है। कांग्रेस के 60 से 65 साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार, अराजकता व बेईमानी का राज रहा तथा भारत का पैसा स्विस बैंकों में पहुंचा। कांग्रेस के लिए देश प्राथमिकता कभी नहीं रहा।उन्होंने कहा कि देश पर जब भी संकट आता है, तब कांग्रेस व राहुल गांधी नजर नहीं आते। जब कोविड के समय में संकट आया तो 140 करोड़ की जनता को छोडकर राहुल गांधी इटली में अपनी नानी के पास चले गए। उन्होंने कहा कि भारत देश के विकास में भाजपा ने अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। देश के हर कोने को बड़े सडक मार्गो के माध्यम से कनेक्ट किया गया है। जिससे देश में उद्योग व व्यापार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद हरियाणा प्रदेश में अपने संकल्प पत्र को एक कलम से लागू किया जाएगा।

हरियाणा में चुनाव प्रचार खत्म होने पर बोले पीएम मोदी

भरोसा दिल से, भाजपा फिर से...

कांग्रेस कभी स्थिर सरकार नहीं दे सकती

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार खत्म होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में बीजेपी की हैट्रिक का भरोसा जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा के लोग एक बार फिर भाजपा को अपना समर्थन देंगे, उन्होंने कहा कि राज्य के देशभक्त नागरिक कांग्रेस की विभाजनकारी और नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। अपने एक्स पोस्ट में मोदी ने लिखा कि बीते कुछ दिनों में मैंने पूरे राज्य की यात्रा की है। मैंने लोगों का जो उत्साह देखा है, उसे देखकर मुझे ये पक्का विश्वास है कि हरियाणा के लोग भाजपा को फिर अपना आशीर्वाद देने वाले हैं। हरियाणा के देशभक्त लोग, कांग्रेस की विभाजनकारी और नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री ने आगे लिखा कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा ने

हरियाणा के लोगों के जीवन को समृद्ध बनाने के लिए लगातार काम किया है। हमने सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। किसान हों, युवा हों, महिलाएं हों, गांव और शहरों का विकास हो, हमने कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। हम हरियाणा को कांग्रेस के घोटालों और दंगों वाले दौर से बाहर निकालकर लाए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता–जनार्दन जानती है कि कांग्रेस का मतलब भ्रष्टाचार, जातिवाद, सांप्रदायिकता और भाई–भतीजावाद की गारंटी है। बापू–बेटे की राजनीति का मूल उद्देश्य सिर्फ स्वार्थ है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस यानि दलाल और दामाद का सिंडिकेट...। लोग आज हिमाचल से कर्नाटक तक कांग्रेस सरकारों की विफलता भी देख रहे हैं। कांग्रेस की नीतियां, लोगों को तबाह करती हैं इसलिए हरियाणा के लोग कांग्रेस को बिल्कुल नहीं चाहते हैं। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता यह जानती हैं कि कांग्रेस कभी स्थिर सरकार नहीं दे सकती। हरियाणा के लोग देख रहे हैं कि कैसे कांग्रेस के नेता आपस में लड़ रहे हैं। ये हाल तब है, जब ये विपक्ष में हैं। हरियाणा के लोगों को इस बात से भी चोट पहुंच रही है कि दिल्ली और हरियाणा में बैठे दो खास परिवारों के इशारे पर पूरा हरियाणा अपमानित हो रहा है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने आरक्षण खत्म करने का बयान देकर अपने इरादे जता दिए हैं। हरियाणा का पिछड़ा और दलित समुदाय जातिगत हिंसा रोकने में विफल रहने पर पहले से ही कांग्रेस से नाराज चल रहा है। इसलिए लोगों ने कांग्रेस को फिर कड़ी सजा देने का मन बना लिया है। हरियाणा के गली–गली से एक ही आवाज आ रही है– भरोसा दिल से, भाजपा फिर से। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया की नजरें भारत पर हैं। दुनिया, भारत की ओर बहुत आशा और उम्मीद से देख रही है। ऐसे में यह बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है कि हरियाणा के लोग एक ऐसी सरकार चुनें, जो भारत को मजबूती देने की दिशा में प्रयास करे। कांग्रेस कभी देश को मजबूत नहीं बना सकती। इसलिए मैं हरियाणा के अपने मतदाताओं से ये आग्रह करता हूं कि वे फिर से भाजपा को अपना आशीर्वाद जरूर दें।

पूर्व मंत्री बृज बिहारी हत्याकांड में बिहार के पूर्व विधायक समेत दो को उम्र कैद

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय करीब 26 साल पहले बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के मामले पटना उच्च न्यायालय के फैसले को आंशिक तौर पर पलटते हुए पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला समेत दो को गुरुवार को दोषी करार दिया और उन्हें इसके लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाते 15 दिनों के अंदर आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने मृतक प्रसाद की विधवा पूर्व सांसद

रमा देवी के अलावा इस मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर यह फैसला सुनाया। पीठ ने 1998 के इस चर्चित हत्याकांड मामले में पूर्व सांसद सूरज भान सिंह और एक अन्य आरोपी मंटू तिवारी समेत छह को संदेह का लाभ दिया और उन्हें बरी करने के उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा। पटना उच्च न्यायालय 2014 में निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए सभी आठ आरोपियों को बरी कर दिया था। बिहार के मंत्री बृज बिहारी प्रसाद हत्या मामले में निचली अदालत ने 2009 में 8 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

नसरुल्लाह के समर्थन में प्रदर्शन करने वालों पर पुलिस का शिकंजा, 8 लोग जेल भेजे गए

लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जिला अमेठी में हिजबुल्लाह चीफ नसरुल्लाह के समर्थन में कैंडल मार्च निकालने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। बिना परमिशन के कैंडल मार्च निकालकर प्रदर्शन करने वाले आयोजक समेत 8 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गौरतलब हो, जायस कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कंचाना

मोहल्ले में मंगलवार शाम नसरुल्लाह के समर्थन में सैकड़ो लोगों ने कैंडल मार्च निकाला था। इस दौरान इजरायल मुर्दाबाद के नारे भी लगे थे। दरअसल, अभी हाल में ही इजरायल ने आतंकी संगठन हिजबुल्लाह चीफ नसरुल्लाह को मौत के घाट उतार दिया था। इस घटना के विरोध में शिया मुसलमानो ने कश्मीर से लेकर लखनऊ तक प्रदर्शन कर अपनी नाराज़गी जाहिर की थी। अमेठी में भी मंगलवार देर शाम बड़ी संख्या में मुसलमानो ने हाथों में हसन नसरुल्लाह का पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया था।

शाह ने अहमदाबाद में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का किया शुभारंभ

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को अहमदाबाद के चाणक्यपुरी से 'गांधीनगर लोकसभा–स्वस्थ लोकसभा' अभियान के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ किया। श्री शाह ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के सहयोग से शुरू की जा रही मेडिकल मोबाइल वैन को भी इस अवसर पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शहर के नागरिकों की स्वास्थ्य देखभाल के लिए अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) की ओर से आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच तथा दवाई वितरण शिविर के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल तथा अहमदाबाद महानगर पालिका की महापौर प्रतिभा जैन उपस्थित रहीं। इस अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर के अंतर्गत विशेषज्ञ चिकित्सा टीमों द्वारा मेडिकल जांच, यू.एन. मेहता हॉस्पिटल की टीम द्वारा इकोकार्डियोग्राफी, रक्तदान शिविर, जनरल ओपीडी, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की जांच, क्षय रोग (टीबी) और आंखों की जांच, पोर्टेबल एक्स–रे मशीन से जांच, लेबोरेटरी परीक्षण, स्त्री रोग निदान एवं उपचार, बाल रोगों की जांच, टीकाकरण और त्वचा रोगों की जांच सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं आम जनता के लिए उपलब्ध कराई गईं। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर के शुभारंभ अवसर पर विधायक अमितभाई ठाकर, जितेन्द्रभाई पटेल, हर्षदभाई पटेल, उप महापौर जतिनभाई पटेल, एएमसी के पदाधिकारी और मनपा आयुक्त एम. थेन्नारसन सहित स्थानीय पार्षदगण मौजूद रहे।

जया बच्चन सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय समिति से अलग हुईं

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) की राज्यसभा सदस्य जया बच्चन ने संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी पर संसदीय स्थायी समिति की सदस्यता छोड़ दी है जिसके अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे हैं। राज्यसभा सचिवालय के एक बुलेटिन के अनुसार जया बच्चन अब कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की अध्यक्षता वाली श्रम, वस्त्र और कौशल विकास पर संसदीय स्थायी समिति की सदस्य होंगी। श्रम पर संसदीय स्थायी समिति के सदस्य रहे तृणमूल कांग्रेस सांसद साकेत गोखले अब जया बच्चन की जगह संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय समिति में शामिल होंगे। राज्यसभा सदस्य ए ए रहीम (माकपा) और आर गिरिराजन, जो शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मामलों की संसदीय समिति के सदस्य थे, अब आवास और शहरी मामलों की संसदीय समिति के सदस्य हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को झटका: पूर्व सांसद अशोक तंवर कांग्रेस में शामिल

चंडीगढ़, एजेंसी। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को गुरुवार को बड़ा झटका लगा। पूर्व सांसद अशोक तंवर ने महेंद्रगढ़ के गांव बवानिया में कांग्रेस ज्वाइन कर ली। राहुल गांधी ने उन्हें कांग्रेस पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। अशोक तंवर हिसार से लोकसभा सांसद और हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं। उन्होंने 5 अक्तूबर 2019 को कांग्रेस की प्राथमिक

सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद वे आप में शामिल हो गए थे। वे आप के हरियाणा चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष थे। फिर उन्होंने आप भी छोड़ दी थी। आप से इस्तीफा देने के पीछे का कारण कांग्रेस–आप के गठबंधन को बताया था। इसके बाद जनवरी 2024 में तंवर भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में उन्हें सिरसा से टिकट दिया था। वे हार गए थे। अशोक तंवर ने साल 2022 में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में आप का दामन थामा था। इससे पहले वह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पार्टी में थे। टीएमसी से पहले वह कांग्रेस में थे, जहां उन्होंने एक लंबी पारी खेली थी।

हरियाणा में बोले राहुल गांधी

अरबपतियों की सरकार चलाते हैं पीएम मोदी

नूह, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 5 अक्टूबर को होने वाले मतदान से पहले चुनाव प्रचार के आखिरी दिन आज नूह में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हमने कश्मीर से कन्याकुमारी तक यात्रा निकाली और जहां भी बीजेपी ने श्नफ़रत का बाज़ारश खोला, हमने श्मोहब्बत की दुकानश खोलीं। उन्होंने दावा किया कि हम प्यार और एकता की बात करते हैं, वे नफरत फैलाते हैं और देश को तोड़ने की कोशिश करते हैं। राहुल ने दावा किया कि बीजेपी और आरएसएस संविधान को नष्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस एक वैचारिक युद्ध लड़ रही है। एक तरफ संविधान को नष्ट करने की विचारधारा है, दूसरी तरफ संविधान की विचारधारा है। उन्होंने एक बार फिर कहा कि मैं अमेरिका में हरियाणा के कुछ युवाओं से मिला, वे मुझसे अपनी समस्याएं साझा करना चाहते थे। उन्होंने मुझे बताया कि वे अमेरिका इसलिए आए क्योंकि हमें हरियाणा में नौकरी नहीं मिल सकती। हरियाणा में बेरोजगारी और महंगाई है और हमें नौकरियां नहीं मिल रही हैं। वे 50 लाख रुपये का कर्ज लेकर अमेरिका आये थे।

मिसाइल गिरने पर हिल जाती है धरती, लगते हैं भूकंप जैसे झटके, बंकर में छिपकर बचानी पड़ रही जान

प्रयागराज। ईरान की ओर से मिसाइल दागे जाने के बाद इस्राइल गए श्रमिक दहशत में हैं। मंगलवार को उन्हें रह रहकर भूकंप के झटकों जैसा अहसास हुआ। मिसाइल गिरने पर आसपास की धरती कांप जाती। येरूशलम गए श्रमिकों ने बंकर में छिपकर जान बचाई। उन्हें हर समय अलर्ट रहने के लिए भी कहा गया है। कनिहार चकिया के विरेंद्र चार महीने पहले ही वहां गए हैं। येरूशलम में एक फैक्टरी में कार्यरत वीरेंद्र के साथ प्रयागराज के शिवगोपाल दुबे भी गए हैं। वीरेंद्र ने बताया कि उनके घर व कारखाना से करीब डेढ़ किमी की दूरी पर कई मिसाइलें गिरीं। ईरान की ज्यादातर मिसाइलें हवा में ही रह गईं, लेकिन कई के आसपास के इलाकों में गिरने से तेज धमाका हुआ। इन मिसाइलों से उन्हें या अन्य साथी को किसी तरह का नुकसान तो नहीं हुआ, लेकिन हर धमाके बाद धरती कांप जाती। लगता है जैसे भूकंप के झटके लग रहे हैं। वीरेंद्र ने बताया कि एक बड़े से फ्लैट में उत्तर प्रदेश के लोग रखे गए हैं। उससे 50 मीटर की दूरी पर कई बंकर हैं। इसके अलावा कारखाना से कुछ कदम पर ही बंकर हैं।

हमला होने पर मोबाइल पर मैसेज आता है। इसके बाद अलार्म भी बजता है। इसके 10 मिनट के भीतर सभी लोग बंकर में पहुंच जाते हैं। वीरेंद्र के साथ शिवगोपाल ने भी इसी तरह की बातें बताईं। शिवगोपाल ने बताया कि बुधवार को स्थिति सामान्य रही। त्योहार की वजह से चार दिनों की छुट्टी है,लेकिन सामान्य तौर पर कंपनी जाना होता है। युद्ध का उस पर कोई फर्क नहीं है। बस चेतावनी वाला मैसेज आने पर बंकर में चले जाते हैं। हनुमानगंज के मोतिहा गांव के मेवालाल इजराइल के तेलवी शहर में रहते हैं। उनके अपार्टमेंट में प्रदेश के 300 से अधिक श्रमिक रह रहे हैं। मेवालाल के अनुसार लगातार मिसाइलें ऊपर आती हैं, लेकिन अभी तक गिरी नहीं हैं। अभी तक बंकर में भी जाने की स्थिति नहीं बनी है, लेकिन लोगों को हमेशा सतर्क रहने के लिए कहा गया है। मेवालाल ने बताया कि इजराइल में चार महीने हो गए हैं। युद्ध की बातें सुनकर शुरू में डर लगता था, लेकिन अब आदत सी हो गई है। साथ में रह रहे गाजीपुर के हरेंद्र ने कहा कि ईरान के हमले के दौरान मिसाइलें आसमान में दिखीं थीं, लेकिन स्थिति सामान्य है। सभी को सतर्क रहने के लिए कहा गया है। वीरेंद्र, मेवालाल ने बताया कि प्रयागराज के जशवंत, लवकुश, दीपक, श्याम मौर्या, पवन पटेल आदि अलग–अलग शहर में रह रहे हैं। सभी लोग सुरक्षित हैं। सभी लोग लगातार एक दूसरे के संपर्क में रहते हैं। इस्राइल गए श्रमिक अपने परिजनों के लगातार संपर्क में हैं, लेकिन वहां की स्थिति के बारे में नहीं बताते। वीरेंद्र कुमार ने बताया कि घर में माता–पिता के अलावा बड़े भाई हैं। अभी शादी नहीं हुई है। उनकी परिवार वालों से रोजाना बात होती है, लेकिन माता–पिता को यहां के बारे में नहीं बताते। उन्हें टीवी से जानकारी हुई है, लेकिन यहां से बताया जाता है कि यहां सब ठीक है। सिर्फ भाई को हर स्थिति के बारे में जानकारी देते हैं। मेवालाल ने बताया कि उनकी पत्नी है। पत्नी से रोजाना बात होती है। उसे यहां की स्थिति के बारे में पता भी है, लेकिन कुछ नहीं किया जा सकता। हरेंद्र, शिवगोपाल का भी कहना था कि परिवारवालों से नियमित तौर पर बात होती है। इसके अलावा वे लोग श्रम विभाग के अफसरों के भी लगातार संपर्क में रहते हैं। ईरान के हमले के बाद इस्राइल गए श्रमिकों में दहशत तो है, लेकिन वे आने के लिए तैयार नहीं हैं। मेवालाल एवं हरेंद्र कहते हैं कि खतरा कहां नहीं है। शुरू में धमाकों से डर लगता था, लेकिन अब आदत सी हो गई है। मंगलवार को ईरान के हमले के बाद खतरा बढ़ा है, लेकिन कहां जाएंगे। येरूशलम में रह रहे वीरेंद्र का कहना है कि ईरान के हमले के बाद बहुत दहशत है, लेकिन क्या किया जा सकता है। रोजगार के लिए परिवार छोड़कर आए हैं। वीरेंद्र ने कहा कि अब स्थिति धीरे–धीरे सामान्य होने लगी है। वहीं, पिछले महीने ही इजराइल गए मेवालाल पटेल ने कहा कि जो भी चौनल पर दिखाया जा रहा सब हकीकत है। बहुत दहशत की स्थिति है। जो लोग भी इजराइल जाना चाहते हैं, उन्हें सलाह है कि फिलहाल अपने देश में ही रुके रहें। कुछ दिनों बाद माहौल को देखते हुए इजराइल जाने का निर्णय लें।

नवरात्र पर विंध्याचल के लिए हर 30 मिनट पर चलेंगी बसें, रोज 195 बसों का होगा संचालन

प्रयागराज । शारदीय नवरात्र के मौके पर यूपी रोडवेज ने मां विंध्यवासिनी के धाम मिर्जापुर जाने वाले यात्रियों की राह आसन की है। नवरात्र के मौके पर यूपी रोडवेज के जीरोरोड बस स्टेशन से प्रत्येक 30 मिनट पर विंध्याचल के लिए बसों का संचालन होगा। भीड़ बढ़ने पर प्रत्येक 15 मिनट पर भी रोडवेज की बसें संचालित की जा सकती हैं। ओवरऑल प्रयागराज और वाराणसी रीजन से मिर्जापुर के लिए नवरात्र में हर रोज 195 बसों का संचालन किया जाएगा। सामान्य दिनों में प्रयागराज से विंध्याचल होते हुए मिर्जापुर के लिए 26 बसों का संचालन होता है। अब तीन अक्तूबर से नवरात्र शुरू हो रहे हैं। पर्व पर विंध्याचल जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यूपी रोडवेज ने मिर्जापुर–विंध्याचल–प्रयागराज रूट पर 50 बसें लगाने का निर्णय लिया है। बृहस्पतिवार सुबह चार बजे से ही बसों का संचालन विंध्याचल के लिए शुरू हो जाएगा। वर्तमान में मिर्जापुर डिपो से 18 और जीरो रोड से आठ बसें मिर्जापुर–प्रयागराज रूट पर चल रही हैं। यूपी रोडवेज प्रयागराज रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी ने बताया कि बृहस्पतिवार से इस रूट पर 50 बसों का संचालन होगा। इसमें 23 बसें मिर्जापुर डिपो और 27 बसें जीरोरोड डिपो की रहेंगी। अधिकतम 30 मिनट पर नवरात्र भर जीरोरोड से विंध्याचल के लिए बसें उपलब्ध रहेंगी। कहा कि अगर भीड़ ज्यादा रहती है तो प्रत्येक 15 मिनट या उससे कम समय पर भी विंध्याचल के लिए बसें उपलब्ध रहेंगी।

कलश स्थापना के साथ आदिशक्तिकी आराधना का महापर्व शुरू, मंदिरों में लगी भक्तों की लंबी कतार

प्रयागराज। आदिशक्ति दुर्गा की आराधना का महापर्व नवरात्र बृहस्पतिवार से शुरू हो गया। शुभ मुहुर्त में भक्तों ने घरों में रंगोली और वेदी बनाकर कलश की स्थापना की। दुर्गा मंत्र, दुर्गा सप्तशति आदि का पाठ कर देवी का आह्वान किया गया। देवी के मंदिर और पंडालों में जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय रहा। अलोपशंकरी, कल्याणी देवी, ललिता देवी के साथ ही अष्टभुजी देवी सहित शिवकुटी, कटरा, राजरूपपुर, दूमनगंज, सुलेमसराय, सिविल लाइंस, टैगोर टाउन, चौक, जीरो रोड, राजापुर, बेली रोड, फाफामऊ, झूंसी, नैनी सहित शहर के सभी इलाकों में स्थित देवी मंदिरों में भारी भीड़ रही। आदि शक्ति ललिता देवी मंदिर में भक्तों का भोर से ही तांता लगा रहा। पूजन अर्चन और दर्शन का दौर भोर से ही शुरू हो गया था। मंदिरों में देवी का मां भगवती के प्रथम स्वरूप श्रीशैलपुत्री के स्वरूप में श्रृंगार किया गया। इसके साथ ही दुर्गा पूजा पंडालों में भी तैयारी तेज हो गई है। पुष्प, अक्षत, रोली, चंदन, मिष्ठान्न, नैवेद्य के साथ भगवती की आराधना की गई। विधि विधान के साथ मिट्टी के कलश में गंगा जल, अक्षत, द्रव्य, हल्दी, पान, सुपारी आदि सामग्री डालकर मिट्टी की वेदी जौ मिलाकर कलश को स्थापित किया गया। फूल–माला के साथ ही नवग्रह, गौरी, गणेश, भैरव आदि की पूजा कर रोली, चंदन, सिंदूर आदि के साथ पूजन अर्चन किया गया। शारदीय नवरात्र के पहले दिन संगम नगरी प्रयागराज के देवी मंदिरों में भी भक्तों की भारी हुजूम उमड़ पड़ा है। प्रयागराज की शक्तिपीठ अलोप शंकरी समेत दूसरे देवी मंदिरों में सुबह से ही भक्त देवी मां के दर्शन–पूजन कर मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए कामना कर रहे हैं। शारदीय नवरात्र का आज पहला दिन है। शक्ति पीठ अलोप शंकरी समेत दूसरे देवी मंदिरों में शैलपुत्री रूप में मां का श्रृंगार किया गया है। देवी मां अपने इस स्वरुप में भक्तों को दर्शन देते हुए उनका कल्याण करती हैं। कौशाम्बी के कड़ा में स्थित आदिशक्ति मां शीतला देवी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ रही। यहां सुबह से ही भक्तों का जयकारा शुरू हो गया। मंगला आरती के बाद दर्शन पूजन का दौर शुरू हो गया। यहां पर बड़ी संख्या में पुलिस और महिला सिपाहियों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रसाद की दुकानों पर भारी भीड़ रही। देवी के जयकारों और घंटा घड़ियालों की गूंज दिन भर सुनाई देती रही। यहां पर कौशाम्बी, प्रतापगढ़, प्रयागराज के अलावा प्रदेश के कोने–कोने से भक्त अपनी मनोकामना लेकर आते हैं और देवी को हलवा, पूड़ी और अन्य पकवानों का भोग लगाते हैं। नवरात्र में यहां पर सर्वाधिक भीड़ होती है।

दिमाग से निकले डोपामिन को सेकेंडों में परख लेगा सेंसर, वैज्ञानिकों ने तैयार किया सेंसर

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय, आईआईटी खड़गपुर और ब्राजील के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा सेंसर तैयार किया है कि जो मानव मस्तिष्क से निकले डोपामिन रसायन को कुछ ही सेकेंड में परख लेगा। सेंसर बताएगा कि स्राव हुआ है या नहीं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इसका अधिक स्राव इंसान को इस कदर उत्तेजित कर देता है वह आत्मघाती कदम उठाने से लेकर गंभीर अपराध तक कर बैठता है। प्रतिष्ठित जर्नल अमेरिकन केमिकल

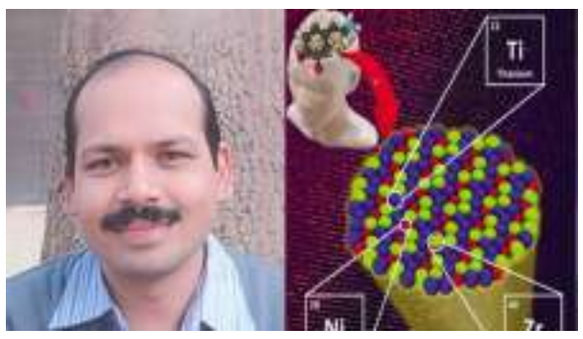

सोसाइटी में प्रकाशित इस शोध को इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के भौतिक विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक प्रो. टीपी यादव, आईआईटी खड़गपुर के प्रो. चंद्रशेखर तिवारी और ब्राजील की सैंपियाना यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक प्रो. डोगलस संयुक्त रूप से कर रहे हैं। दुनिया के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों में शुमार प्रो. टीपी यादव बताते हैं कि डोपामिन के अधिक स्राव से दिमाग में तेजी से उत्तेजना बढ़ने लगती है। इससे मनुष्य पूरी तरह से होश में नहीं रह जाता और बिना कुछ सोचे–समझे कई बार गंभीर अपराध तक अंजाम दे डालता है। इन अपराधों में हत्या–आत्महत्या से लेकर मारपीट तक कुछ भी हो सकता है। प्रो. यादव के मुताबिक, शरीर में डोपामिन की मात्रा पता लगाने के लिए अभी रक्त की जांच करानी होती है। इसकी रिपोर्ट में काफी वक्त लग जाता है। उनका डोपामिन सेंसर मुंह में रखते ही कुछ ही सेकेंड में बता देगा कि दिमाग में डोपामिन का स्राव हुआ है कि नहीं। शोध के अगले चरण में सेंसर को अपग्रेड किया जाना है। प्रो. यादव अब सेंसर को अपग्रेड करके डोपामिन के स्राव की सटीक मात्रा और उससे मानव मस्तिष्क पर होने वाले सकारात्मक व नकारात्मक असर का पता लगाएंगे। यह भी पता लगाएंगे कि डोपामिन सेंसर कितने दिनों तक काम कर सकता है। यह शोध चिकित्सा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला साबित हो सकता है। सेंसर तैयार करने में टाइटेनियम, जरकोनियम और निकिल के एलॉय कम्पोजिशन का उपयोग किया गया है। इसकी डिजाइन इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्रो. यादव ने तैयार की और प्रारंभिक स्तर पर यहीं प्रयोग भी किए। सफलता मिलने पर आईआईटी खड़गपुर में इसे प्रायोगिक तौर पर परखकर अंतिम रूप दिया गया। सेंसर की थ्योरी (सिद्धांत) पर पूरा काम ब्राजील की सैंपियाना यूनिवर्सिटी में हुआ। खिलाड़ियों के डोप टेस्ट में खून का नमूना लेकर डोपामिन ही परखा जाता है। किसी शक्तिवर्धक दवा के लेने पर यह डोपामिन अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाता है, जो कि टेस्ट में पकड़ा जाता है। मौजूदा शोध आगे बढ़ने पर डोप टेस्ट भी खून के बजाय सेंसर से ही करना संभव हो सकेगा। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. सुजीत वर्मा बताते हैं कि डोपामिन एक न्यूरो ट्रांसमीटर है, जो दिमाग के जरिये भावनाओं को नियंत्रित करता है, आनंद का अनुभव कराता है और शरीर की गति को भी नियंत्रित करता है। शरीर में इसका सामान्य स्तर 0 से 30 पिकोग्राम प्रति मिलीलीटर होता है। इसके घटने–बढ़ने के दुष्परिणाम भी देखने को मिलते हैं। कार्डियोजेनिक शॉक, सेप्टिक शॉक या हार्ट फेल हो जाने पर डोपामिन इंजेक्शन देते हैं, ताकि रक्तचाप और हृदय की कार्यक्षमता बढ़ाई जा सके। अभी इसकी जांच खून के नमूने से ही हो पाती है।

महाकुम्भ के दौरान 15 दिन पहले मिलेगा जनरल रेल टिकट

प्रयागराज । प्रयागराज महाकुम्भ 2025 के दौरान अगर लोग चाहते हैं तो वो 15 दिन पहले भी अनारक्षित टिकट ले सकते हैं। जिससे वो अपनी सहूलियत के अनुसार सफर कर सकें। रेलवे ने यह सुविधा अपने यात्रियों को दी है। महाकुम्भ के दौरान तमाम लोग प्रयागराज आएंगे। अब तक आरक्षित टिकट तो यात्रा की तारीख से पहले बुक होता था, अब अनारक्षित टिकट भी 15 दिन पहले ले सकेंगे। लखनऊ मंडल के सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि यह सेवा नौ जनवरी 2025 से लेकर 28 फरवरी 2025 तक जारी रहेगी। सेवा को शुरू करने का उद्देश्य यह है कि अगर बुजुर्ग, दिव्यांग व्यक्ति भी चाहे तो पहले से टिकट ले सकते हैं। साथ ही स्नान पर्व के दिन टिकट की मारामारी बहुत अधिक होगी, इसलिए भी लोग इस सेवा का लाभ ले सकते हैं। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह का कहना है कि यहां भी इस सेवा को शुरू किया गया है। अनारक्षित टिकट एडवांस लेने की सुविधा केवल महाकुम्भ के दौरान होगी।

पड़िला की धर्मशाला में मृत मिला बुजुर्ग, घंटों बाद मिला वारिस

प्रयागराज, फाफामऊ । पांडेश्वर नाथ धाम पड़िला के यादव धर्मशाला में गुरुवार को एक बुजुर्ग मृत मिला। पूछताछ में पता चला मृतक सोरांव के मटियारा गांव का रहने वाला था। पांच घंटे की जद्दोजहद के बाद पुलिस ने उसके भतीजे को खोजकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरुवार सुबह पड़िला स्थित यादव धर्मशाला में एक बुजुर्ग मृत मिला। मृतक की पहचान सोरांव के मटियारा गांव निवासी 70 वर्षीय हरिलाल गौतम के रूप में हुई। पुलिस मटियारा गांव पहुंची तो वहां कोई नहीं मिला। गांव वालों ने बताया की हरिलाल दो भाई थे जिसमें हरिलाल बड़े थे, छोटे भाई जियालाल की भी मौत हो चुकी है। उसके परिजन नैनी में रहते हैं। हरिलाल ने अपनी पूरी सम्पति चचेरे भाई के बेटे राम आधार निवासी दादूपुर को दे दी थी। पुलिस ने राम अधार को घटना की जानकारी दी लेकिन काफी इंतजार के बाद भी वह नहीं आया। जिस पर थरवई थाने के दरोगा अर्जुन सिंह क्षेत्र पंचायत सदस्य विजय कुमार को लेकर दादूपुर पहुंचे और राम अधार को साथ लेकर आए। जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। इंस्पेक्टर थरवई अरविंद गौतम ने बताया आसपास के लोगों से पूछताछ में पता चला की मृतक करीब एक माह से यहीं पर साधु के भेष में घूम रहा था।

डंपर की चपेट में आने से बिजली मिस्त्री की मौत, पंडाल में लाइटिंग करते समय हुआ हादसा

प्रयागराज। दुर्गा पूजा पंडाल के लिए सड़क किनारे बावलियों पर बिजली सजाते समय एक युवा के डंपर की चपेट में आ गया। इससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोग उसे अस्पताल ले जाते, इससे पहले उसकी मौत हो गई। रात करीब 2: 00 बजे हुए हादसे की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है। लालगोपालगंज कस्बा स्थित लाल बाबा का पूरा उर्फ खरगू का पूरा मोहल्ला निवासी मो. अवैश राइन पुत्र स्व. अब्दुल रजाक तीन भाई बहनों में दूसरे नंबर का था। वह शादी–विवाह और त्योहारों पर बिजली सजावट का काम कर परिवार का भरण–पोषण करता था। बुधवार रात करीब दो बजे कस्बा जेठवारा मार्ग स्थित मनिलाल का इदारा के पास बने पूजा पंडाल में सड़क किनारे बल्लियों पर बिजली सजावट कर रहा था, इसी बीच एक अनियंत्रित डंपर ने उसे टक्कर मार दिया। दुर्घटना में बिजली मिस्त्री गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद पंडाल में काम कर रहे अन्य साथी आ गए। युवक को अस्पताल ले जाते, इससे पहले उसकी मौत हो गई। सूचना पाकर परिजन और स्थानीय पुलिस भी आ गई। बाद में लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दुर्घटना कर भाग रहे डंपर को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। युवक की मौत पर मां खलीकुन्निशा बदहवास है।

चिल्ड्रेन अस्पताल में भी सभी कैमरे खराब

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल की तरह ही मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज से संबद्ध चिल्ड्रेन अस्पताल में कोई कैमरा काम नहीं कर रहा है। अस्पताल में चार कैमरे केवल लोगों को दिखाने के लिए लगे हैं। कैमरे को लगाने के बाद उसे चालू नहीं किया गया। अस्पताल के इमरजेंसी गेट का चौनल बंद करके उसमें ताला लगा दिया गया है। अस्पताल में चारों तरफ गंदगी फैली है। जगह–जगह कुत्ते आराम कर रहे हैं। टॉयलेट के दरवाजे टूटे होने के कारण लोग बाहर जाते हैं। एसआरएन अस्पताल में नया चिल्ड्रेन अस्पताल बन रहा है इसलिए इसकी देखरेख की औपचारिकता निभाई जा रही है।

पाइपलाइन बिछाने के लिए हुए गड्ढे में उतरे मंडलायुक्त, मिट्टी हटाते ही निकल आया पानी

प्रयागराज। जल निगम की ओर से बिछाई जा रही पाइपलाइन के कार्य में बड़े स्तर पर अनियमितता पाई गई है। पाइपलाइन के लिए हुए गड्ढे का आधार ही मानक के अनुरूप नहीं पाया गया। यहां तक कि वहां से मिट्टी हटाते ही पानी निकल आया। इस पर मंडलायुक्त ने खामियां दूर करने के साथ संबंधित अभियंता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आदेश दिया है। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने बुधवार को मुंडेरा, विष्णुपुरी, ट्रांसपोर्ट नगर, चौफटका आदि स्थानों पर जल निगम की ओर से कराए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। चौफटका में पेयजल पाइपलाइन के लिए खोदे गए गड्ढे में मंडलायुक्त खुद उतर गए। मंडलायुक्त ने बताया कि पाइपलाइन के लिए तैयार किया गया आधार मानक के अनुरूप नहीं था। वह ऊंचा–नीचा था। इससे दबाव बढ़ने पर पालइलाइन में हमेशा लीकेज की आशंका बनी रहेगी। इसके अलावा उसकी गुणवत्ता भी ठीक नहीं पाई गई। इसी क्रम में मंडलायुक्त ने जांच के लिए गड्ढे में तैयार आधार की खोदाई कराई तो वहां से पानी निकलने लगा। इस पर नाराजगी जताते हुए मंडलायुक्त ने मौके पर मौजूद सहायक अभियंता को खामियां दूर करने के लिए कहा। साथ ही संबंधित अभियंताओं की जिम्मेदारी तय करते हुए कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए। मंडलायुक्त ने मुंडेरा चुंगी के पास बिछाई गई सीवरलाइन के कार्य को भी देखा। वहां जीएसबी पर ठीक से रोलर नहीं चला था। इसके अलावा काम भी अधूरा पाया गया। वहां पर्याप्त संख्या में मजदूर भी नहीं थे। उन्होंने जेई को मजदूरों की संख्या बढ़ाते हुए मानक के अनुसार काम कराने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने अलोपीबाग, बालसन चौराहा पर मेन पाइपलाइन बिछाने के काम को भी देखा और सभी कामों की नियमित जांच कराते रहने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने अलोपीबाग पंपिंग प्लांट, मोरी नाले पर ट्रीटमेंट पद्धति आदि कार्यों का भी निरीक्षण किया और जरूरी निर्देश दिए। इसी क्रम में उन्होंने झूंसी में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और अन्य कार्यों को देखा। इसकी प्रगति काफी धीमी पाई गई।

मुक्तविश्वविद्यालय में 14 विषयों का होगा शोध

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, आवेदन और प्रवेश परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 26 अक्टूबर तय की गई है। वहीं, विलंब शुल्क के साथ 27 अक्टूबर से छह नवंबर तक तक आवेदन लिए जाएंगे। आवेदन संशोधन 7 से 12 नवंबर के मध्य होगी। प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर 18 नवंबर को अपलोड कर दिए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा 23 नवंबर को प्रस्तावित है। प्रो. पांडेय ने बताया कि विश्वविद्यालय इस बार प्रवेश परीक्षा के माध्यम से 14 विषयों कंप्यूटर विज्ञान, न्यूट्रीशन फूड एंड डाइटेटिक्स, पत्रकारिता एवं जनसंचार, वाणिज्य, मध्ययुगीन और आधुनिक इतिहास, व्यवसाय प्रशासन और व्यवसाय प्रबंधन, शिक्षा शास्त्र, संस्कृत और प्राकृत भाषा, सांख्यिकी, हिंदी और आधुनिक भारतीय भाषाएं, भूगोल, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व, गणित तथा जंतु विज्ञान में प्रवेश होगा।

विचाराधीन कैदियों को लेकर ट्रायल कोर्ट बेपरवाह, पूछा– आदेश के बावजूद देरी क्यों

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में मुकदमों की धीमी सुनवाई पर चिंता जताई है। कहा है कि ट्रायल की सुस्ती से प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि अदालतें लंबे समय से बंद विचाराधीन कैदियों को लेकर बेपरवाह हैं। यह तल्ख टिप्पणी न्यायमूर्ति अजय भनोट की अदालत ने अशफाक की जमानत याचिका पर की है। कोर्ट ने इलाहाबाद के जिला जज से रिपोर्ट तलब करते हुए पूछा है कि हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद ट्रायल में देरी क्यों हो रही है। मामला प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र का है। याची अशफाक पर धूमनगंज थाने में हत्या व अन्य मामलों में मुकदमा दर्ज है। उसने हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दाखिल की। याची के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि आरोपी जुलाई 2019 से जेल में है। लेकिन, चल रहे ट्रायल में अभी तक एक भी गवाह की गवाही नहीं हुई है। जबकि, इससे पहले हाईकोर्ट ने ट्रायल के शीघ्र निस्तारण का आदेश ट्रायल कोर्ट को दिया था। इस पर कोर्ट ने चिंता जताई। कहा कि अदालत बार–बार यह महसूस कर रही है कि इलाहाबाद में मुकदमे बेहद धीमी गति से चल रहे हैं। इस संबंध में न्यायालय ने पहले भी आदेश पारित किए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इससे पहले कोर्ट ने जिला जज, इलाहाबाद से वर्तमान मामले को देखने और जिनमें आरोपी लंबे समय से जेल में हैं उनकी सुनवाई में तेजी लाने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी थी। 17 सितंबर को हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की ओर से ट्रायल में देरी को लेकर भेजे गए जवाब को खारिज कर दिया।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में सिविल सेवा परीक्षा में सफलता का विज्ञान विषय पर कार्यशाला का सफल आयोजन

प्रयागराज .। सीएमपी . डिग्री कॉलेज में षसिविल सेवा परीक्षा में सफलता का विज्ञानरू आकांक्षा से सिद्धि तकष विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 3 अक्तूबर 2024 को हुआ। यह कार्यशाला कॉलेज के व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास केंद्र तथा रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि 2023 बैच के आईएएस अधिकारी श्री अनुभव सिंह और विशिस्थ अतिथि श्री रवि कृष्ण कटियार, समीक्षा अधिकारी, उ. प्र. लोक सेवा आयोग थे। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे द्वारा औपचारिक स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने देश की

सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए उम्मीदवारों की संभावनाओं को निखारने के महत्व पर जोर दिया। कार्यशाला के दौरान, श्री अनुभव सिंह ने सिविल सेवा परीक्षा पास करने में अपनी व्यक्तिगत यात्रा, अंतर्दृष्टि और रणनीतियों को साझा किया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित रहने, एक अनुशासित अध्ययन दिनचर्या अपनाने और केवल परीक्षा की तैयारी के बजाय इसकी मांगों को समझने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उनका इंटरैक्टिव सत्र मुख्य रूप से सिविल सेवक बनने की आकांक्षा रखने वाले विद्यार्थियों में उत्साह और जिज्ञासा के साथ सुना गया। श्री रवि कृष्ण कटियार ने भी रणनीतिक योजना, विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने के महत्व और दृढ़ता की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने परीक्षा से जुड़े मिथकों पर प्रकाश डाला और उम्मीदवारों से उपलब्धा संसाधनों और मार्गदर्शन का प्रभावी ढंग से उपयोग करने का आग्रह किया। कार्यशाला के संयोजक और कॉलेज द्वारा संचालित जीएस फाउंडेशन कोर्स के समन्वयक डॉ. गोविन्द गौरव ने भी सिविल सेवा परीक्षा के बारे में अपने बहुमूल्य विचार साझा किए, और उम्मीदवारों को व्यावहारिक सलाह और अकादमिक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने सफलता के लिए एक मजबूत आधार और निरंतर प्रयास के महत्व पर जोर दिया। इसी क्रम में, मुख्य अतिथि श्री अनुभव सिंह ने जीएस फाउंडेशन कोर्स के छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रयासों और उत्कृष्टता के लिए पुरस्कृत किया। साथ ही उन्होंने भविष्य के सिविल सेवकों को तैयार करने के लिए कॉलेज के शिक्षकों की प्रतिबद्धता और समर्पण की भी सराहना की। कार्यशाला का समापन कार्यक्रम के सह–संयोजक डॉ. रामानुज यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनने में सभी के बहुमूल्य योगदान के प्रति कृतज्ञता अर्पित की। इस कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ रंजीत सिंह ने किया । इस कार्यशाला में डॉ दीपक कुमार गोंड, डॉ सत्येन्द्र कुमार, डॉ अरुण कुमार वर्मा, डॉ प्रणय कुमार बिस्वास, डॉ नीरज कुमार सिंह, डॉ मनीष लाल श्रीवास्तव, डॉ ज्योत्सना मिश्रा सहित कई शिक्षक और करीब 200 विद्यार्थी सम्मिलित हुए और इसे सफल बनाया।

'विश्वनाथ हिंदी साहित्य संगठन का स्थापना दिवस तथा सम्मान समारोह धूमधाम से मना'

विश्वनाथ स विश्वनाथ चारिआलि शहर के विश्वनाथ घाट रोड में स्थित शांति निवास के सभागार में कल (सोमवार)3.30 बजे षहिंदी साहित्य संगठन ष मुख्य शाखा बंगाईगांव के अंतर्गत विश्वनाथ जिला इकाई में दूसरी स्थापना दिवस के साथ दसवीं और बारहवीं में हिंदी विषय में कुल 80 : या उससे अधिक प्राप्तांक विद्यार्थीओ को सम्मान समारोह जिला सचिव सैयदा आनोवारा खातून जी की संजोजन एवं संचालन में और नागेश गुप्ता जी के अध्यक्षता में बड़ी धूमधाम से आयोजित किया गया। उक्त सभा में उपस्थित थे मुख्य अतिथि के रुप में समाज सेवक आदरणीय प्रभुनाथ सिंह जी विशिष्ट अतिथि के रुप में वरिष्ठ साहित्यकार लेखक आदरणीय हरि प्रसाद लुईटेल जी ,कवि जमीर आहमेद जी,युनुस खान ,सुरेन्द्र साहनी जी, विश्वनाथ कालेज हिंदी विभाग की अध्यापिका श्रीमती गीता वर्मा जी,वरिष्ठ नागरिक भगवान प्रसाद जी आदि । साथ

ही विश्वनाथ इकाई हिंदी साहित्य संगठन के सदस्य ध्सदस्या गण अध्यापिका रुकसात पारवीन जी, अध्यापिका जेसमीन वेगम ,हिंदी साहित्य संगठन के(निरीक्षक), हिंदी सेवी, युवा लेखक, प्रतापगढ़ टी स्टेट मॉडल हाई स्कूल के अध्यापक संतोष कुमार महतो जी ,कुमलीया हाई स्कूल के अध्यापक व हिंदी साहित्य संगठन के (कोषाध्यक्ष)सुधन साहनी जी,जिला सचिव एवं पाभई टी स्टेट मॉडल हाई स्कूल के अध्यापिका युवा कवयित्री सैयदा आनोवारा खातून जी,अध्यापिका एवं युवा कवयित्री मनीषा पाल जी और विद्यार्थीयो के माता पिता एवं अभिभावक गण । फारहीना खातून और प्रतीमा वर्मन को बारहवीं में हिंदी विषय में लेटार अंक लेकर उत्तीर्ण होने के कारण दोनो को एक एक असमीया फुलाम गामोछा सर्टिफिकेट और कलम से सम्मानित किया गया । दसवीं में गुलमत खातून,नाईमा बेगम,प्रितम ठाकुर,नितीन कुमार गुप्ता,नमीत कुमार गुप्ता,दिपीका सिंह, दिव्यांशु कुमार, आदित्य लोड,विमल साहनी, जिसन आहमेद,सबनम खातुन,रेखा रानी नेवार ,नीशा कुमारी राय, मधुस्मिता दे, फरिदुल इस्लाम , सुदर्शन फुकन, समी को सर्टिफिकेट असमीया फुलाम गामोछा और कलम से सम्मानित किया गया । हरि प्रसाद लुईटेल जी प्रभुनाथ सिंह,गीता वर्मा , सुरेंद कुमार साहनी समी ने हिंदी साहित्य संगठन के बच्चों को प्रोत्साहित करने का निर्णय कार्य को सही और सकारात्मक विचार के रुप में समर्थन और धन्यवाद ज्ञापन किया ,जो भविष्य में यें बच्चे हिंदी भाषा के विकास में कदम आगे बंढाये और हर जगह हिंदी का प्रचार जोरदार हो । समा में उपस्थित सभी को अपने सुंदर शब्द के पुष्प और उपमा से धन्यवाद ज्ञापन संतोष कुमार महतो जी ने किया ।

'बाघम्बरी क्षेत्र रामलीला कमेटी भारद्वाजपुरम का 120 फिट का बृहद मंच जनता के आकर्षण का होगा प्रमुख केंद्र'

प्रयागराज सअपनी श्रेष्ठ कला संस्कृति के लिए विश्व प्रसिद्ध है यहां की रामलीलाएं देश में प्रमुख स्थान रखतीं हैं। इसी क्रम में शहर की प्रतिष्ठित बाघम्बरी क्षेत्र रामलीला कमेटी, भारद्वाज पुरम इस वर्ष ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से होने वाली भव्य रामलीला का मंचन करने जा रही है । अध्यक्ष ओम नारायण त्रिपाठी ने बताया कि लगातार 10 दिनों की रामलीला में लगभग 60 प्रतिष्ठित कलाकार भाग लेंगें तथा इसका निर्देशन संस्था द थर्ड बेल के वरिष्ठ रंग निर्देशक आलोक नायर करेंगे । इस रामलीला के पात्रों के चयन प्रक्रिया का बहुत ध्यान रखा गया है । मर्यादा पुरुषोत्तम राम की भूमिका शिक्षक अमितेश श्रीवास्तव तथा सीता की भूमिका में शिक्षिका अलका सिंह हैं, एवं लक्ष्मण का हर्षित पांडेय, भरत एवं शत्रुघ्न का गौरव शर्मा व हेमंत सिंह , रावण की सत्यम सिंह राजपूत एवं हनुमान का विनोद यादव तथा दशरथ एवं कैकेयी की भूमिका निभा रहे हैं आकाशवाणी के प्रतिष्ठित कलाकार क्रमशः शैलेश श्रीवास्तव, ऋतिका अवस्थी । मंथरा निकिता गौतम,मेघनाद का हर्षित, कर्नल श्रीकुमार विश्वामित्र एवं बालि का किरदार निभाएंगे । वशिष्ठ और विभीषण का राकेश ,अश्विनी श्रीवास्तव कुम्भकर्ण की व जनक की भूमिका में अरुण शुक्ला हैं।अन्य प्रमुख कलाकरों में विनय त्रिपाठी, नीरज मिश्रा, सिद्धार्थ त्रिपाठी,संध्या,श्वेता,हर्षिता, जागृति,रवींद्र, प्रणय,वंश,कोणार्क इत्यादि हैं । अलका और सरगम अपने नृत्यांगनाओं के साथ मंच पर अद्भुत छटा बिखरेंगी। प्रकाश संचालन जतिन कुमार का एवं संगीत संचालन विजय का रूप सज्जा अलका पाण्डेय और उनकी टीम का होगा । सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी विख्यात चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि इस भव्य रामलीला का प्रमुख आकर्षण इसका बृहद मंच होगा...जो लगभग 120 फिट का होगा, इस बार की रामलीला से दर्शकों का भरपूर रसास्वादन हो एवं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जी के जीवन से हमारी युवा पीढ़ी एवं जनमानस को सीखने का अवसर मिले ।

एनयूजेआई प्रयागराज ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री को जयंती पर किया नमन

प्रयागराज' । नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज इकाई ने राष्ट्र पिता महात्मा गांधी और भारती के लाल पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयंती पर नमन किया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को नमन करते हुए उनके विचारों पर चर्चा की और उन्हे आत्मसात करने का संकल्प लिया।

संगठन के कर्नलगंज कार्यालय में सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम में संगठन के जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने कहा कि महात्मा गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी अर्पित होगी जब हम उनके विचारों को आत्मसात करेंगे।

कार्यक्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश चन्द्र श्रीवास्तव ने लाल बहादुर शास्त्री की सादगी भरी जीवन शैली पर प्रकाश डालते हुए एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जब शास्त्री जी को प्रधानमंत्री नेहरू जी ने विदेश जाने के लिए कहा तो उन्होंने विदेश जाने से इन्कार

कर दिया ।शास्त्री जी का विदेश न जाने की मात्र एक वजह थी कि उनके पास नये कपड़े नही थे ।उनको लगता था कि पुराने कपड़े को पहन कर हम अगर विदेश जाते है तो इससे देश की गरिमा गिरेगी ।लेकिन शास्त्री जी अपने पुराने वस्त्र के बारे में किसी से जिक्र नही करना चाहते थे ।इसलिए उन्होंने विदेश जाने से मना कर दिया ।यह बात नेहरू जी को जब पता चली तो उन्होंने विचार किया कि शास्त्री जी स्वाभिमानी व्यक्ति है वह किसी से कपड़ा नही लेंगे ।नेहरू जी के मन में विचार आया की शास्त्री जी को उनके जन्मदिन पर अगर कपड़ा भेट किया जाय तो वह भेट को स्वीकार कर लेंगे ।और एसा ही हुआ नेहरू जी से गिफ्ट का पैकट पाते ही शास्त्री जी ने उस पैकेट को जन्मदिन की पार्टी में ही सबके सामने खोला। उन्होंने नये वस्त्र को देखकर विदेश जाने की घोषणा कर दी। शास्त्री जी के बारे में आगे बोलते हुए उमेश चन्द्र ने कहा की लाल बहादुर शास्त्री जैसे व्यक्ति विरले ही पैदा होते है।

महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर आयोजित हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एनयूजेआई के प्रयागराज ईकाई के अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव तथा संचालन महामंत्री राजीव कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महामंत्री राजीव कुमार सिंह,मधुर दरबारी, संगठन मंत्री अखिलेश शुक्ला,वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव, मंत्री इमरान खान,आमिर अन्सारी,सैयद मुहम्मद, प्रतिक आदि सदस्य व पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

संक्षिप्त

ईरानी कप मैच में क्रिकेटर शार्दूल ठाकुर की तबीयत बिगड़ी मेदांता अस्पताल में भर्ती होना पड़ा

लखनऊ, एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज शार्दूल ठाकुर ईरानी कप के मैच के दौरान बीमार पड़ गए हैं। बुधवार रात उन्हें तेज बुखार आया है। जिसके बाद शार्दूल को मेदांता में भर्ती करवाया गया है। डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल, उनकी हालत स्थिर है और उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। अस्पताल में उनका मलेरिया और डेंगू टेस्ट करवाया गया है, जिसकी रिपोर्ट आना अभी बाकी है। शार्दूल बुधवार को इकाना स्टेडियम में मुंबई की ओर से बल्लेबाज करने उतरे थे। उन्होंने 59 गेदों पर 4 चौके और एक छक्के के सहारे 36 रन बनाए। उन्होंने सरफराज खान के साथ 9वें विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी भी की। जानकारी के अनुसार, शार्दूल पूरे दिन अच्छा महसूस नहीं कर रहे थे, उन्हें तेज बुखार था। इसके चलते वे देर से बल्लेबाजी करने उतरे थे। उन्होंने 2 घंटे बल्लेबाजी की। इस दौरान उन्होंने 2 बार ब्रेक लिया। रात में उनकी तबीयत बिगड़ गई।

फ्लिपकार्ट वेयर हाउस पर डिलीवरी ब्वॉयज प्रदर्शन से कामकाज ठप, भरत हत्याकांड से गुस्साए लोग

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के चिनहट इलाके में फ्लिपकार्ट के वेयर हाउस पर डिलीवरी ब्वॉय भरत प्रजापति की मौत के बाद डिलीवरी करने वालों का गुस्सा उभरकर सामने आया है। गुरुवार को दर्जनों डिलीवरी ब्वॉयज ने सुरक्षा की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने, भरत की मौत पर आक्रोश जताते हुए दोषियों को जल्द से जल्द फांसी देने की मांग की। साथ ही अपनी सुरक्षा को लेकर भी आवाज बुलंद की। डिलीवरी करने वालों का कहना है, कि उन्हें आए दिन अभद्रता, झगड़ों और हमलों का सामना करना पड़ता है। इससे उनकी जान खतरे में रहती है। उन्होंने अपने साथी भरत की मौत को लेकर चिंता जताई और कहा कि इस तरह की घटना फिर कभी नहीं होनी चाहिए। प्रदर्शन में मृतक भरत के परिजन भी शामिल हुए, जिन्होंने मांग की कि ड्यूटी करते समय सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं ताकि और किसी परिवार को इस पीड़ा से न गुजरना पड़े। सुबह अचानक शुरू हुए इस प्रदर्शन के चलते फ्लिपकार्ट की पार्सल सर्विस पूरी तरह से ठप हो गई। चिनहट और आस–पास के क्षेत्रों में डिलीवरी ठप हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने और समस्या को सुलझाने के लिए फ्लिपकार्ट के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस को भी सूचित किया गया है।

लखनऊ हाईकोर्ट ने आदेश सुरक्षित किया

अयोध्या रेप पीड़ित मामले में अभियुक्त मोईद अहमद की जमानत याचिका पर हुई सुनवाई

लखनऊ, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंड पीठ में आज अयोध्या रेप पीड़िता मामले में अभियुक्त मोईद अहमद की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद न्यायामूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने आदेश को सुरक्षित कर लिया है। जल्दी आदेश आने की संभावना है। अभियुक्त की ओर से अपने बचाव में डीएनए रिपोर्ट में उसका नाम न आने की दलील दी गई है।

किसान नेता बोले सर्किल रेट न बढ़ने से किसान परेशान,बिल्डरों को फायदा

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार वीएम सिंह ने लखनऊ के जिलाधिकारी (डीएम) सूर्यपाल गंगवार से मुलाकात की। लखनऊ में सर्किल रेट को लेकर गंभीर चर्चा की। वीएम सिंह ने सर्किल रेट न बढ़ने से किसानों को हो रहे नुकसान की बात कही। किसान नेता वीएम सिंह ने कहा कि आखिरी बार 2014 में सर्किल रेट में बढ़ोतरी हुई थी, उसके बाद से अब तक कोई बदलाव नहीं हुआ, जबकि लखनऊ के मुकाबले बाराबंकी का सर्किल रेट अधिक है। वीएम सिंह का आरोप है कि बिल्डरों को इस स्थिर सर्किल रेट से लाभ हो रहा है, जबकि किसानों का हक छीना जा रहा है। सरकार को भी राजस्व में भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि डीएम ने इस मामले पर कार्रवाई के लिए एक महीने का समय मांगा है। यदि इस अवधि में उनकी मांगें नहीं मानी जातीं, तो किसान संगठन कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा। किसान नेता का कहना है कि पिछले एक दशक से सर्किल रेट में कोई संशोधन नहीं किया गया। इससे न केवल सरकारी राजस्व पर असर पड़ा है, बल्कि किसानों को उचित मुआवजा भी नहीं मिल रहा।

लोकपाल की अध्यक्षता में चमरूपुर शुक्लान में गांधी जयन्ती पर हुई मजदूर चौपाल

मजदूरों की यथास्थिति व समस्याओं का किया चिन्हांकन

प्रतापगढ। लक्ष्मणपुर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत चमरूपुर शुक्लान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयन्ती के अवसर मनरेगा चौपाल का आयोजन लोकपाल मनरेगा समाज शेखर

प्राण की अध्यक्षता में हुआ। लोकपाल ने मजदूरों की यथास्थिति व समस्याओं का चिन्हांकन किया वहीं सभी की मांग पर सक्रिय मजदूरों की सूची एक सप्ताह के भीतर पंचायत भवन में बैनर लगाकर सार्वजनिक करने का निर्देश ग्राम पंचायत सहित रोजगार सेवक को दिया। जिला विकास अधिकारी व प्रभारी खण्ड विकास अधिकारी को 2023–24 व 2024–25 की अभी हाल ही में हुई सोशल आडिट की आख्या अबिलम्ब 5 अक्टूबर तक उपलब्ध कराने हेतु दूरभाष पर वार्ता करके निर्देश दिया। साथ ही ग्राम की अपेक्षित जांच रिपोर्ट प्रेषित करने को कहा जिससे नियमानुसार 1 माह के भीतर 5 अक्टूबर तक उक्त परिवाद का निस्तारण हो सके। बिलम्ब होने पर इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी सम्बन्धित अधिकारी की होगी। लोकपाल समाज शेखर 1 अक्टूबर की रात्रि में ग्राम पंचायत स्थित बलीपुर परसन गांव में शहीद योगेश तिवारी की स्मृति में आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में देर रात्रि तक भागीदारी कर सभी का उत्साह बढाया। वहीं रात्रि प्रवास समीपवर्ती काछा ग्राम में बैद्य जगदीश नारायण शुक्ल के आवास पर किया। 2 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे पंचायत भवन चमरूपुर में आयोजित मजदूर चौपाल में मजदूरों व ग्राम वासियों को सम्बोधित करते हुए लोकपाल समाज शेखर ने सभी को गांव के विकास हेतु ईमानदारी से अपनी भूमिका निर्वहन करने का आवाहन किया। समाजसेवी पवन शुक्ल द्वारा दर्ज कराए गए परिवाद के सन्दर्भ में मनरेगा कार्यों का स्थलीय भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शहीद लेफटीनेन्ट योगेश तिवारी जी की स्मृति में बने पार्क के सामने व मुख्य मार्ग पर बोर्ड लगाने तथा पार्क के किनारे किनारे पौध रोपण, दौडने व टहलने हेतु ट्रैक का निर्माण करने तथा ओपेन जिम की स्थापना करके पार्क को उपयोगी बनाने के ग्रामीणों के सुझाव पर सम्यक विचार कर पंचायत को प्राथमिकता पर कार्य कराए जाने का निर्देश दिया। वहीं नहर से बलीपुर सम्पर्क मार्ग का निरीक्षण किया गया ग्रामीणों ने कहा कि कार्य अधूरा है, निरीक्षण में प्रथम दृष्टया मामला सत्य प्रतीत हुआ जिस पर निर्देश दिया गया कि तकनीकी सहायक उक्त कार्य का तकनीकी निरीक्षण करके नियमानुसार कार्य पूर्ण कराके एक सप्ताह के भीतर अवगत कराए। वहीं लोगों ने अवगत कराया कि उक्त मार्ग शमसेरगंज बाजार से बलीपुर सहित बढनी मुख्य मार्ग से जुडता है और यह महत्पूर्ण मार्ग है। जिस पर ग्राम प्रधान को लोकपाल ने राजस्व विभाग के साथ मिलकर राजस्व अभिलेखों में दर्ज सडक पैमाने के हिसाब से खडन्जा का निर्माण कराके जनसामान्य का आवागमन सुगम बनाने का निर्देश दिया। गफफार के घर से खन्ता तालाब तक नाले का निरीक्षण किया गया जिसमें सिन्धौर मार्ग पर जनसामान्य ने पुलिया की मांग की। बताया गया कि एक पाईप डालकर नाले से आवागमन बहाल किया गया है अभी हाल ही में बरसात में पानी निकासी अवरूद्ध थी। पाईप के उपर से पानी बह रहा था। आवागमन भी प्रभावित हुआ था। जिस पर सभी की राय से रोजगार सेवक व प्रधान ने 2 पाईप और डालकर समस्या के समाधान का संकल्प लिया। खेत तालाब व अन्य शिकायतों का स्थलीय भ्रमण कर निरीक्षण किया गया जिसमें आवश्यक संस्तुति व सुझाव लोकपाल द्वारा दिया गया। लोकपाल समाज शेखर ने ग्रामीणों की मांग पर ग्राम सभा की बैठक करके ही योजना तय करने का निर्देश दिया कहा कि बिना ग्राम सभा के स्वीकृत के बनी योजना अवैध होती है। नियमों का पालन करके ही गांव का सर्वांगीण विकास सम्भव है। परिवादी पवन शुक्ल ने चौपाल में अवगत कराया कि मेरी पंचायत एप पर ग्राम पंचायत की साइट पर निजी व्यक्तियों का नम्बर व ईमेल अंकित किया गया है जिसका दुरूपयोग होने की सम्भावना है जिस पर खण्ड विकास अधिकारी को जांच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिया गया। चौपाल में ग्राम प्रधान श्रीमती निर्मला,अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अंकित गुप्त, तकनीकी सहायक अवधेश पटेल व प्रधान प्रतिनिधि मानिक चन्द्र व राजेन्द्र मौर्य तथा शिवमूर्ति दूबे व रोजगार सेवक अजय तिवारी, महिला मनरेगा मेठ आदि के साथ लोकपाल ने सभी समस्याओं पर चर्चा करके निराकरण हेतु आवश्यक सुझाव व दिशा निर्देश दिया। कवि हरिबंश शुक्ल शौर्य सहित राजेश तिवारी, नगीना, चन्द्र शेखर शुक्ल आदि ने अपने विचार प्रस्तुत किए। शिक्षक व साहित्यकार अरूण रत्नाकर ने संचालन किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रधान प्रतिनिधि मानिक चन्द्र ने किया।

भाजपा सांसद कंगना रनौत को गांधी के बारे में पढ़ना चाहिए : सुनील सिंह साजन

लखनऊ, एजेंसी। मंडी सांसद कंगना रनौत को सपा नेता सुनील सिंह साजन ने खास सलाह दी है। कहा है कि वो बापू के बारे में पढ़ें। सारा मामला रनौत के एक ट्वीट से जुड़ा है। सपा नेता सुनील सिंह साजन ने कहा, कंगना रनौत को पढ़ने की जरूरत है। उन्हें देश के साथ गांधी के बारे में पढ़ना चाहिए। देश के लोगों ने उन्हें राष्ट्रपिता की उपाधि दी है। गांधी जी भी देश के लाल हैं। भारत की आजादी के लिए उन्होंने पूरा जीवन लगाया है। कंगना रनौत उस विचारधारा से आती हैं जहां उन्हें किसान आतंकवादी, खालिस्तानी नजर आते हैं, बलात्कारी इन्हें साधु–संत नजर आते हैं। इसके साथ ही साजन ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए। सोनभद्र में आदिवासी युवक के साथ हुई घटना पर सपा नेता ने कहा, उत्तर प्रदेश में यह पहली घटना नहीं है, जहां दलितों, पिछड़ों के साथ अन्याय हो रहा हो। भाजपा को पिछड़े, दलितों के साथ अन्याय करने में आनंद मिलता है। इनकी सरकार कहती है कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था है, यहां रामराज्य है। लेकिन, सोनभद्र में जो आदिवासी युवक के साथ हुआ है, कहां है कानून व्यवस्था, यह रामराज्य नहीं जंगलराज है। साजन से पहले कंगना रनौत के ट्वीट पर कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी खरी खोटी सुनाई थी। उन्होंने लिखा, भाजपा सांसद कंगना रनौत ने महात्मा गांधी की जयंती के दिन यह भद्दा तंज कसा है। बापू और शास्त्री जी के बीच में भेदभाव गोडसे उपासक ही करते हैं।

सम्पादकीय.....

आस्था पर राजनीति

सही मायनों में बालाजी तिरुपति लड्डू विवाद प्रसंग में शीर्ष अदालत की वह टिप्पणी देश के सभी राजनेताओं के लिये एक नजीर बननी चाहिए, जिसमें कोर्ट ने कहा कि आस्था को राजनीति से मुक्त रखना चाहिए। हाल के वर्षों में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा आस्था को वोट जुटाने के सरल रास्ते के रूप में इस्तेमाल करने से तमाम तरह की विसंगतियां पैदा हुई हैं। दरअसल, जनाधार बढ़ाने की क्षमताओं से चूकते राजनेता अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने के लिये धार्मिक विश्वासों के दोहन को सफलता का शार्टकट मानकर चल रहे हैं। पिछले दिनों में बालाजी तिरुपति से जुड़े लड्डू विवाद मामले में बिना जांच–पड़ताल के आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जिस तरह पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी को लपेटने का प्रयास किया, उसे कोर्ट ने एक अनुचित परंपरा के रूप में देखा है। कहा जा रहा है कि नायडू ने अपना जनाधार बढ़ाने हेतु विपक्षी राजनेता की छवि धूमिल करने का प्रयास इस विवाद के जरिये किया है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि नेतागण कम से कम भगवान को राजनीति से दूर रखें। खासकर संवैधानिक पदों पर विराजमान नेताओं को राजनीतिक लाभ के लिये अनर्गल बयानबाजी से बचना चाहिए। कोर्ट ने इस बात पर भी सख्त नाराजगी जाहिर की कि बिना अंतिम जांच व निष्कर्ष के सार्वजनिक रूप से लड्डू विवाद पर टिप्पणी करना न केवल गैर–जिम्मेदार रवैया था बल्कि लोगों की आस्था से खिलवाड़ भी है। वह भी तब जब इस मामले में जांच चल रही थी। वहीं दूसरी ओर अभी स्पष्ट नहीं है कि राजनीतिक लाभ के लिये जिस चर्बी वाले घी की कथित जांच–परिणामों का दावा किया जा रहा है, उसके बारे में ठीक–ठीक कहना मुश्किल है कि वास्तव में इस घी का ही प्रयोग लड्डू बनाने में किया गया था। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक सार्वजनिक सभा में आरोप लगाया था कि पिछली सरकार के दौरान तिरुपति बालाजी के प्रसाद में पशु चर्बी का इस्तेमाल किया गया। जिसके बाद इस पर राजनीतिक क्षेत्रों व सार्वजनिक जीवन में खासा विवाद पैदा हो गया। बताया जाता है कि इस विवाद के जरिये घी आपूर्ति करने वाली कंपनी तथा ठेकेदार व मंदिर प्रबंधन में पूर्व मुख्यमंत्री के परिजनों की भागीदारी को विवाद में लाने की कोशिश की गई। जिसके जरिये आंध्रप्रदेश की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी का कद छोटा करने की भी कोशिश हुई। रेड्डी ने खुलेआम नायडू पर राजनीतिक लाभ के लिये इस विवाद को तूल देने का आरोप लगाया। यहां तक कि मंदिर में प्रवेश में व्यवधान पैदा करने के मकसद से रेड्डी की धार्मिक आस्था पर भी सवाल खड़े किए गए। उनसे कहा गया कि वे निर्धारित फॉर्म में अपने धर्म का खुलासा करें। कहने को तो यह विवाद दो राजनीतिक दलों की लड़ाई का है मगर इस विवाद ने देश–विदेश में करोड़ों भक्तों की आस्था पर गहरी चोट पहुंचायी है। निस्संदेह, बालाजी तिरुपति मंदिर पर करोड़ों लोगों की गहरी आस्था है, इस विवाद को राजनीतिक लाभ का माध्यम बनाने से श्रद्धालुओं को खासा कष्ट हुआ। यह विडंबना ही है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में लोगों की धार्मिक आस्थाओं को राजनीतिक लाभ के लिये इस्तेमाल करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसमें कमोबेश सभी राजनीतिक दलों की भूमिका रही है। राजनेता अकसर विभिन्न धार्मिक स्थलों में उपस्थिति का खासा प्रचार राजनीतिक लाभ के लिये करते नजर आते हैं। वे लोगों की आस्था का लाभ अपने निहित स्वार्थों के लिये करते हैं। उन्हें लगता है कि जनाधार बढ़ाने का यह एक छोटा रास्ता है। विडंबना यह भी है कि आस्थावान लोग भी राजनेताओं की अनर्गल बयानबाजी को तर्क की कसौटी पर कस कर देखने से गुरेज करते हैं। यदि लोगों की दृष्टि तार्किक हो तो राजनेता उनकी भावनाओं से खिलवाड़ नहीं कर पाएंगे। सही मायनो में राजनेताओं की धार्मिक मामलों में इस तरह की दखलंदाजी हमारे धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के भी खिलाफ है। जिस ओर देश की शीर्ष अदालत ने भी ध्यान खींचने का प्रयास किया है। जनता की सजगता व तर्कशीलता को बढ़ावा देकर ही ऐसी चुनौतियों का मुकाबला किया जा सकता है।

भाजपा का अलोकतांत्रिक चेहरा

डॉ. दीपक पाचपोर

हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में बापू की समाधि तक सबसे शांतिपूर्ण मार्च पर थे। दरअसल जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 वापस लेने और लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बाद से लद्दाख के लोगों में भाजपा के फैसले पर नाराजगी देखी जा रही है।

2 अक्टूबर गांधी जयंती के मौके पर नरेन्द्र मोदी झारखंड के हजारीबाग में श्प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियानश की शुरुआत करने जा रहे हैं। झारखंड में जल्द चुनाव होने वाले हैं तो नरेन्द्र मोदी का यहां होना लाजिमी है। इस आदिवासी बहुल राज्य में फिर से भाजपा की सरकार बन जाए, इसके लिए श्री मोदी पूरा जोर लगा रहे हैं। झारखंड में करोड़ों की परियोजनाएं शुरु करके श्री मोदी संभवतरू ये दावा फिर से करेंगे कि भाजपा किस कदर आदिवासियों की हितैषी है। उसे जल, जंगल, जमीन के संरक्षण की कितनी चिंता है। लेकिन इसी चिंता के साथ जब लद्दाख से दिल्ली तक करीब 700 किमी की पदयात्रा करके लद्दाखी जनता दिल्ली पहुंचती है, तो नरेन्द्र मोदी की सरकार उनकी चिंता को सुनने से पहले ही उन्हें गिरफ्तार करवा देती है। इसी से भाजपा का लोकतंत्र के लिए दुचित्तापन जाहिर हो जाता है। गौरतलब है कि शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर सोनम वांगचुक करीब डेढ़ सौ लोगों के साथ 1 सितंबर को लद्दाख से पदयात्रा पर निकले थे और तय समय पर गांधी जयंती के पहले दिल्ली पहुंच गए। लेकिन इन तमाम पदयात्रियों को दिल्ली सीमा पर ही रोक दिया गया और इसके बाद गिरफ्तार भी कर लिया गया। सोनम वांगचुक ने इस की जानकारी देते हुए सोमवार को एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, दिल्ली बॉर्डर पर 150 पदयात्रियों के साथ मुझे हिरासत में लिया जा रहा है। इसके लिए 100 पुलिस वाले हैं। कुछ का कहना है कि ये 1000 हैं। पदयात्रियों में 80 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग भी हैं। इसमें महिलाएं भी शामिल हैं। इसके साथ कुछ दर्जन सेना से रिटायर्ड लोग भी हैं। आगे क्या होगा, कुछ पता नहीं है। हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में बापू की समाधि तक सबसे शांतिपूर्ण मार्च पर थे। दरअसल जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 वापस लेने और लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बाद से लद्दाख के लोगों में भाजपा के फैसले पर नाराजगी देखी जा रही है। यहां के लोग फिर से राज्य का दर्जा वापस चाहते हैं। इसके अलावा लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करना भी एक अहम मांग है, जो स्थानीय आबादी को उनकी भूमि और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए कानून बनाने की शक्ति प्रदान करेगा। लेह और कारगिल जिलों के लिए अलग लोकसभा सीटों की मांग भी लद्दाखी जनता की है। लद्दाख की जनता ने ऐसा कुछ नहीं मांगा है, जो असंभाव्य है या गैरकानूनी है। लोकतांत्रिक देश में जनता को अपनी मांगे उठाने के लिए शांतिपूर्ण आंदोलन करने का हक है, साथ ही सरकार के खिलाफ विरोधा–प्रदर्शन भी कानून के दायरे में रहकर किया जा सकता है। सोनम वांगचुक और उनके साथी अपने इन्हीं लोकतांत्रिक अधिकारों का ही इस्तेमाल कर रहे थे। लेकिन नरेन्द्र मोदी को लोकतंत्र और जनता को मिले अधिकारों से इतना डर लगता है कि उनके कार्यकाल में बार–बार शांतिपूर्ण आंदोलनों को कुचलने की कोशिश हुई है। शाहीन बाग आंदोलन, किसान आंदोलन, महिला पहलवानों का विरोध ये सब पिछले चार–पांच सालों की ही घटनाएं हैं, जिनमें मोदी सरकार का अलोकतांत्रिक रवैया सामने आया है। इसी कड़ी में अब सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को भी देखा जा सकता है। शायद लद्दाखी जनता के विरोध का ही डर था कि दिल्ली पुलिस ने 6 दिन के लिए भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 को लागू कर दिया है। पुलिस के मुताबिक नई दिल्ली, सेंट्रल दिल्ली, नॉर्थ दिल्ली के अलावा दिल्ली की सभी सीमाओं पर ये धारा लागू की गई है और पांच अक्टूबर तक इन जगहों पर धरना प्रदर्शन पर पाबंदी रहेगी। बड़ी अजीब बात है कि पांच अक्टूबर को ही दिल्ली से सटे राज्य हरियाणा में चुनाव हैं और तब तक दिल्ली की सीमाओं और दिल्ली के भीतर कानून और व्यवस्था के मुद्दों का हवाला देते हुए पांच या अधिक व्यक्तियों के इकठ्ठा होने, बैनर, तख्तियां और हथियार रखने वाले लोगों या मध्य भाग और सीमावर्ती इलाकों में विरोधा प्रदर्शन पर पुलिस ने प्रतिबंधा लगा दिया है। सवाल यह है कि आखिर मोदी सरकार को किन लोगों के विरोध से डर लग रहा है और क्यों सरकार को अपनी ही पुलिस की क्षमता पर भरोसा नहीं है कि वह निहत्थे, शांतिपूर्ण आंदोलन पर निकले लोगों को संभाल नहीं पाएगी। क्या इसी लिए सोनम वांगचुक के साथ–साथ उनके साथ चल रहे वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं तक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी जब सोनम वांगचुक से मिलने बवाना पुलिस थाने पहुंची तो उन्हें भी मिलने नहीं दिया गया। मंगलवार सुबह लद्दाख सांसद हाजी हनीफा वांगचुक के प्रदर्शन से जुड़ने के लिए पहुंचे तो दिल्ली पुलिस ने उन्हें और उनके समर्थकों को भी हिरासत में लेकर नरेला पुलिस स्टेशन भेज दिया। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक खबर है कि सोनम वांगचुक ने इस दमनकारी रवैये के खिलाफ अनशन भी शुरु कर दिया है। इस बीच कांग्रेस, आप, सपा जैसे गैरभाजपाई दलों के नेताओं ने सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर मोदी सरकार की आलोचना की है। राहुल गांधी ने लिखा है कि जिस तरह कृषि कानूनों पर सरकार का चक्रव्यूह और नरेन्द्र मोदी का अहंकार टूटा, इस बार भी वैसा ही होगा। लद्दाख की जनता की आवाज सुननी ही पड़ेगी, वहीं मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस फैसले को अलोकतांत्रिक बताते हुए लिखा कि मोदी सरकार अपने करीबी मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए लद्दाख के पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र का दोहन करना चाहती है।

गांधी को भूलने से बार-बार इंकार करता हुआ भारत

डॉ. दीपक पाचपोर

जिस प्रकार से लोकतंत्र, संविधान, आरक्षण जैसे मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी भारत को हमेशा भ्रमित रखना चाहती है, उसी तरह वह गांधी को लेकर नये भारत को असमंजस में डालने की कोशिश करती है। इस भ्रम को फैलाने के अभियान की अगुवाई स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। यह अलग बात है कि इस प्रक्रिया में वे खुद ही सर्वाधिक असमंजस में हैं। चूंकि गांधी के व्यक्तित्व के बरक्स मोदी पासंग भी नहीं हैं तथा बापू का नैसर्गिक आभामंडल मोदी की कृत्रिम चकाचौंध को फीका करता है, मोदी चाहते हैं कि भारत गांधीजी को भूल जाये। उनका दुर्भाग्य कि पिछले 10–11 वर्षों की उनकी अथक मेहनत के बावजूद भारत गांधी को भूलने से बार–बार इंकार करता रहा है। जिस विचारधारा के मोदी प्रतिनिधि हैं वह गांधी के खिलाफ तभी से विद्यमान है जब वे दक्षिण अफ्रीका से लौटे थे– कुछ और पहले से। उनके भारत आगमन के कुछ आगे–पीछे एक ऐसी विचारधारा पनप रही थी जो आजादी के बाद भारत को एक आधुनिक देश बनाने की बजाय मध्ययुगीन समाज की ओर लौटाना चाहती थी। महात्मा गांधी और उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। स्वतंत्रता किस तरह से हासिल करनी है और आजाद भारत किस दिशा में बढ़ेगा– इसका ब्लू प्रिंट बापू के पास शहिंद स्वराज्यश के रूप में बना–बुनाया था। इसलिये आजादी के आंदोलन का नेतृत्व करने के लिये जनता ने महात्मा गांधी और कांग्रेस की वैचारिकी को चुना था। लोग देख रहे थे कि जो विचारधारा गांधी विरोधियों की है वह समावेशी नहीं है और उसका असली उद्देश्य अंग्रेजों के जाने के बाद देश की सामाजिक व्यवस्था को कुछ लोगों के हाथों में सौंप देना था जो एक सामंती व्यवस्था के जरिये ही सम्भव था। इसलिये उसे बचाने के लिये अंग्रेजों के खिलाफ इस विचारधारा की लड़ाई कालांतर में फिरंगियों के अप्रत्यक्ष समर्थन में बदल गई। लोगों ने कोई गलती नहीं की और स्वतंत्र भारत की सत्ता सौंपी उसी संगठन को जिसने स्वतंत्रता की लड़ाई का नेतृत्व किया था। 2014 में भारतीय जनता पार्टी को सत्ता मिली, तो उसने आजादी के बाद देश का जो पुनर्निर्माण हुआ, उससे कुछ सीखने की बजाय छह दशकों की संचित अपनी खीज और कुंठा को निकालना शुरू किया। मोदी ने लोगों को बताया कि इतने समय तक देश ने कुछ हासिल नहीं किया। दरअसल मोदी उस पीढ़ी का नेतृत्व कर रहे हैं जो मानता है कि श्भारत को असली आजादी 2014 के बाद मिली हैश्य या, देश स्वतंत्र नहीं हुआ है बल्कि अंग्रेज उसे 99 वर्षों की लीज पर दे गये हैं। मोदी इसी नये भारत के नेता हैं, जिनके अनुसार 2014 के पहले आदमी भारत में जन्म लेने पर पछताता था।श गांधी जहां समानता और धर्मनिरपेक्षता के पैरोकार थे, वहीं ये शक्तियां वर्ण व्यवस्था पर आधारित समाज बनाने की इच्छुक हैं। इन प्रतिगामी ताकतों की विकसित भारत की अवधारणा ऐसी है जहां कुछ लोगों को तो जन्मजात विशेषाधिकार हों, शेष पांच किलो राशन पर गुजारा करें। अमीरों की थालियों से रिसते हुए भोजन से बाकी पेट भरें– यही इस वर्ग का अर्थशास्त्र है। ऐसे अनेक कारण हैं जिनके चलते इनकी गांधी से कभी न बनी। बनती अब भी नहीं, लेकिन देश और दुनिया में गांधी जो अर्जित कर गये हैं उससे किसी में इतनी हिम्मत और नैतिक बल नहीं है कि वे गांधी की सार्वजनिक आलोचना कर सकें। सीमित सदस्यों वाली बैठकों, गोदी मीडिया के कार्यक्रमों, ड्राइंग रूम के चुटकुलों, वाट्सएप विश्वविद्यालय के सिलेबस आदि में वे चाहे जितना गांधी को गरियाएं– अपने ऐसे किसी भी बयान को रिकॉर्ड पर लाने का साहस न मोदी में है, न उनके सिपहसालारों में है, न उनकी पार्टी में। चाहे गांधी का हत्यारा उनका अपना रहा हो, उसकी यह पूरी बिरादरी मन ही मन तारीफ करती हो परन्तु जहां देश के भीतर अपनी छवि को साफ–सुथरा दिखाना हो, उन्हें गांधी के समक्ष सिर नवाना ही पड़ता हैय और विदेश में खुद को गांधी के देश से आया हुआ बतलाना जरूरी हो जाता है। दूसरी ओर मोदी के लिये यह भी जरूरी है कि उनके प्रिय काडर में से कोई गांधी की तस्वीर पर गोलियां चलाए तो उन्हें कहना पड़ता है कि श्उसे वे दिल से कभी माफ नहीं करेंगे। गांधी जी को लेकर मोदी और उनकी सरकार की दुविधा ऐसी सघन है कि एक ओर तो वे कहते हैं कि दुनिया के बच्चे–बच्चे की जुबान पर गांधी का नाम होना चाहिये, दूसरी ओर संसद भवन के मुख्य द्वार पर बनी गांधी की मूर्ति उन्हें कोने में रखवानी पड़ती है। वे जानते हैं कि मूर्ति निष्प्राण ही सही, लेकिन है तो प्रेरणादायिनी। बापू की विचारधारा भारत के कोटि–कोटि लोगों के मन में अंतरूसलिला बनकर प्रवाहित होती है जो सम्पूर्ण भारत के नैतिक मूल्यों को जीवन्त बनाये रखती है। गांधी अपने पीछे प्रतिरोध का जो साहस छोड़ गये हैं वह उनकी मृत्यु के लगभग चौथाई सदी के बाद भी मोदी जैसे शासकों तथा उनके जैसों को डराने के लिये काफी होता है। तभी तो सारे साल गांधी के खिलाफ विषवमन कर नयी पीढ़ी के मन में उनके प्रति घृणा फैलाने की लाख कोशिशों के बावजूद हर साल कम से कम 2 अक्टूबर और 30 जनवरी को उनके सामने झुकना ही पड़ता है। उनके लिये ये दुखदायी प्रसंग तब भी आते हैं, जब विदेश यात्रा के शौकीन मोदी को मेजबान किसी शहर में बनी गांधी प्रतिमा के समक्ष खड़ा कर देते हैं।

यह भी मोदी के लिये तकलीफदेह होता है जब वे यह कहकर गांधी का कद छांटने का प्रयास करते हैं कि शरिचर्ड एटनबरो द्वारा उन पर फिल्म बनाने से पहले गांधी को दुनिया बहुत नहीं जानती थीश, परन्तु लोग उनकी अज्ञानता पर हंसते हैं, आलोचना करते हैं। ऐसा नहीं कि मोदी गांधी की महानता से अपरिचित हों। सच कहा जाये तो उनका यही प्रयास होता है कि लोग गांधी को भूल जायें। उल्टे, गांधीजी के इतने प्रसंग सामने आ जाते हैं कि मोदी पहले से और भी बौने हो जाते हैं। देश उस महामानव को भूलने की बजाय और शिद्दत से याद कर उठता है। अपने 11 वर्षों के कार्यकाल में मोदी ने अनेक प्रयास किये कि देश गांधी को भूल जाये और केवल उन्हें याद रखे। कभी उनके आईटी सेल ने कहानी गढ़ी कि गांधी चाहते तो भगत सिंह को बचा सकते थेय या फिर उन्हीं के कारण पाकिस्तान बना... आदि। देश को गांधी से विमुख करने की बहुतेरी कोशिश मोदी के नेतृत्व में इन ताकतों ने की लेकिन गांधी का नाम भारत के सीने पर इतने गाढ़े अक्षरों में गोदा हुआ है कि वह मिटाये नहीं मिटता।

एक पुष्ट संसदीय लोकतंत्र हो या संविधान अथवा फिर आरक्षण– यह सारा कुछ भारत को गांधीजी के मरने के बाद ही मिला। तो भी इनमें गांधी के प्राण बसते हैं और उनकी आत्मा का निवास है। दक्षिण अफ्रीका से शुरू हुआ रंगभेद के खिलाफ उनका आंदोलन एक तरह से लोकतंत्र की ही लड़ाई थी, समानता का संदेश था और एक ऐसी व्यवस्था की जरूरत को प्रतिपादित करता था जिसे कोई संविधान ही संजोकर, संरक्षित और सुनिश्चित कर सकता है। सत्य व अहिंसा पर आधारित इस देश का औपनिवेशिक दासता के खिलाफ महान संघर्ष गांधी को भारत ही नहीं विश्व का महानतम नेता बनाता है। मोदी के भुलाये भारत गांधी को कभी नहीं भूलेगा।

विश्व के वित्तीय एवं निवेश संस्थान भारत के आर्थिक विकास के अनुमानों को बढ़ा रहे हैं

प्रह्लाद सबनानी

आज जब विश्व में कई विकसित एवं विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही है, वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। कई विदेशी एवं निवेश संस्थान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के सम्बंध में पूर्व में दिए गए अपने अनुमानों में संशोधन कर रहे हैं कि आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की गति और अधिक तेज होगी। विशेष रूप से कोरोना महामारी के पश्चात भारत ने आर्थिक विकास के क्षेत्र में तेज रफ्तार पकड़ ली है। भारत में आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रमों को लागू किया गया है। स्टैंडर्ड एवं पूअर (एसएंडपी) नामक विश्व विख्यात क्रेडिट रेटिंग संस्थान ने हाल ही में अपने एक प्रतिवेदन में बताया है कि भारत, केलेंडर वर्ष 2024 में एवं इसके बाद के वर्षों में 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर के साथ वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान वर्तमान के 3.6 प्रतिशत से बढ़कर 4.5 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाएगा। साथ ही, भारत में प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर उच्च मध्यम आय समूह की श्रेणी की हो जाएगी। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी वर्तमान के 3.92 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। हालांकि एसएंडपी ने भारत में आर्थिक विकास दर के 6.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष बढ़ने का अनुमान लगाया है जबकि वित्तीय वर्ष 2023–24 में भारत की आर्थिक विकास दर के 7.3 प्रतिशत के अनुमान के विरुद्ध 8.2 प्रतिशत की रही है। भारत में अब सरकारी क्षेत्र के साथ ही निजी क्षेत्र भी पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर ध्यान देता हुआ दिखाई दे रहा है, इससे आगे आने वाले समय में केंद्र सरकार पर पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने सम्बंधी दबाव कम होगा और केंद्र सरकार का बजटीय घाटा और अधिक तेजी से कम होगा, जिससे अंततः विदेशी निवेशक भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित होंगे। इसी प्रकार, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी वर्ष 2024, 2025 एवं 2026 में भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी अपने अनुमानों के बढ़ाया है। विश्व बैंक का तो यह भी कहना है कि भारत ने केलेंडर वर्ष 2023 में विश्व के वार्धिक आर्थिक विकास में 16 प्रतिशत का योगदान दिया है और इस प्रकार भारत अब विश्व में आर्थिक विकास के इंजिन के रूप में कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वर्ष 2023 में 7.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी, जो विश्व की अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं द्वारा इसी अवधि में हासिल की गई विकास दर से दुगुनी थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की आर्थिक विकास दर के वर्ष 2024 के अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत की विकास दर को बढ़ा कर 7 प्रतिशत कर दिया है। ओईसीडी देशों के समूह ने भी वर्ष 2024 एवं 2025 में वैश्विक स्तर पर आर्थिक प्रगति के अनुमान जारी किए हैं। इन अनुमानों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर वर्ष 2024 एवं 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की जा सकेगी। वहीं भारत की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 के 6.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 6.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। चीन की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 में 4.9 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में 4.5 रहने की सम्भावना है। इसी प्रकार रूस एवं अमेरिका की आर्थिक विकास दर भी वर्ष 2024 में क्रमशः 3.7 प्रतिशत एवं 2.6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में क्रमशः 1.1 प्रतिशत एवं 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। कुल मिलाकर आज विश्व के लगभग समस्त वित्तीय एवं निवेश संस्थान आगे आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक विकास दर के बढ़ने के अनुमान लगा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर वित्तीय संस्थानों द्वारा भारत के आर्थिक विकास दर के सम्बंध में लगाए जा रहे अनुमानों के अनुसार यदि भारत आगे आने वाले वर्षों में प्रतिवर्ष 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल करता है तो भारत वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके ठीक विपरीत भारत ने वित्तीय वर्ष 2023–24 में 8.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी एवं भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार भारत वित्तीय वर्ष 2024–25 में 7 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर हासिल करेगा, इस प्रकार तो भारत वर्ष 2031 के पूर्व ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। दूसरे, विश्व में भारत से आगे जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाएं हैं, आज इन दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में कई प्रकार की समस्याएं दिखाई दे रही हैं जिनके चलते इन देशों की आर्थिक विकास दर आगे आने वाले कुछ वर्षों में शून्य रहने की सम्भावना दिखाई दे रही है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है कि भारत मार्च 2025 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा एवं मार्च 2026 अथवा मार्च 2027 तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा और भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए वर्ष 2031 तक इंतजार ही नहीं करना पड़ेगा। विश्व बैंक द्वारा जारी वैश्विक आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 ने भी वित्तीय वर्ष 2025 में भारत को विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के संकेत दिए हैं। पिछले तीन वर्षों में पहली बार वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 में स्थिर होने के संकेत दे रही है। वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के वर्ष 2024–25 में 2.6 प्रतिशत एवं वर्ष 2025–26 में 2.7 प्रतिशत रहने की सम्भावना विश्व बैंक द्वारा की गई है। इसी प्रकार, मुद्रा स्फीति में भी धीरे धीरे कमी आने के संकेत मिल रहे हैं एवं यह वैश्विक स्तर पर औसतन 3.5 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। मुद्रास्फीति उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को कम करती है एवं उनके व्यय करने की क्षमता को भी हत्तोत्साहित करती है। कई देशों को मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ता है। उच्च ब्याज दरें मुद्रास्फीति को नियंत्रित तो करती हैं परंतु आर्थिक प्रगति को धीमा भी कर देती है जिससे रोजगार के अवसरों में कमी भी दृष्टिगोचर होती है। उक्त वर्णित वैश्विक आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 के अनुसार दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत ने क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्रों के योगदान से वित्तीय वर्ष 2023–24 में भारत ने 8.2 प्रतिशत की अतुलनीय आर्थिक विकास दर हासिल की है, यह आर्थिक विकास दर देश में मानसून व्यवधानों के कारण कृषि क्षेत्र के उत्पादन वृद्धि में आई कमी के बावजूद हासिल की गई है। साथ ही, भारत में व्यापक कर आधार से राजस्व में वृद्धि के चलते सकल घरेलू उत्पाद के सापेक्ष राजकोषीय घाटे में कमी हासिल की जा सकी है। विशेष रूप से भारत में व्यापार घाटा भी कम होता दिखाई दे रहा है, जिससे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में समग्र आर्थिक स्थिरता लाने में योगदान मिला है। जलवायु परिवर्तन के कारण भी विश्व के कई देशों में बाढ़, सूखा एवं तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं की बारंबारता और प्रबलता बढ़ती दिखाई दे रही है। इस तरह की आपदाएं बुनियादी ढांचे, निवास स्थानों एवं व्यवसाओं को व्यापक क्षति पहुंचा रही हैं। साथ ही, यह कृषि उत्पादन को भी बाधित कर रही है, जिससे खाद्यान के उत्पादन में कमी एवं इनकी कीमतों में वृद्धि होती दिखाई दे रही है। इससे सरकारी वित्त व्यवस्था पर भी अतिरिक्त भार पड़ रहा है। विश्व बैंक की आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में तार्किक आशावादी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। वर्ष 2024 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता के संकेत जरूर दिए हैं ।

क्या सिकंदर की शूटिंग के दौरान सलमान खान ऐश्वर्या राय बच्चन की बेटी आराध्या से मिले थे? यहाँ जानिए सच्चाई

ऐश्वर्या राय बच्चन और सलमान खान की फिल्म हम दिल दे चुके समन ने रील की दुनिया में लोगों के दिलों में खास जगह बनाई और साथ साथ रियल लाइफ में भी एक दूसरे की दिल में जगह बनाई थी। कहते हैं कि दोनों को इसी फिल्म के सेट पर प्यार हो गया था। ऐश्वर्या राय बच्चन और सलमान खान की फिल्म हम दिल दे चुके समन ने रील की दुनिया में लोगों के दिलों में खास जगह बनाई और साथ साथ रियल लाइफ में भी एक दूसरे की दिल में जगह बनाई थी। कहते हैं कि दोनों को इसी फिल्म के सेट पर प्यार हो गया था। हम सब ने दोनों के प्यार के किस्से सुने थे। वे पहले डेटिंग कर रहे थे और बाद में उनका अलगाव हो गया। ऐश्वर्या राय और सलमान खान का ब्रेकअप काफी ज्यादा भयानक था। दोनों के बीच काफी ज्यादा चीजें खराब हो गयी थी। कहते हैं कि सलमान खान ने ऐश्वर्या राय के घर जाकर हंगामा किया था। ऐश्वर्या अब फिलहाल लंबे समय से अभिषेक बच्चन से विवाहित हैं और उनकी एक बेटी आराध्या बच्चन है। उनकी तस्वीरें और वीडियो हमेशा साबित करते हैं कि वे एक परिवार के रूप में कितने खुश हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों से हम उनके बीच कई मुद्दों के बारे में सुन रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह जोड़ी तलाक ले रहा है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि वह अपनी बेटी आराध्या के साथ रहती हैं, बच्चन परिवार के साथ नहीं। हमने सुना है कि परिवार और ऐश्वर्या के बीच कुछ मुद्दे हैं।

सलमान खान ऐश्वर्या राय बच्चन की बेटी आराध्या से मिले?

हालाँकि, उसके बाद हमने देखा कि अभिषेक ने स्पष्ट किया कि वे अभी भी शादीशुदा हैं। यहाँ तक कि ऐश्वर्या को हाल ही में पेरिस फैशन वीक के लिए जाते समय अपनी शादी की अंगूठी दिखाते हुए देखा गया था। हालाँकि, इसके बाद भी तलाक की अफवाहें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। इस बीच, इंटरनेट पर कई तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन की बेटी आराध्या सिकंदर की शूटिंग के दौरान सलमान खान से मिलती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के बारे में काफी कुछ कहा जा चुका है और लोग इस मुलाकात के बारे में बात कर रहे हैं। हालांकि, सच्चाई यह है कि ये तस्वीरें फर्जी हैं। इन तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ की गई है। वनइंडिया न्यूज की टीम के मुताबिक, आराध्या की तस्वीरों को एडिट करके भारतीय बॉक्सर निखत जरीन के चेहरे पर चिपका दिया गया है। इन वायरल तस्वीरों में आराध्या का चेहरा जरीन के चेहरे पर लगाया गया है। खैर, ये सभी फर्जी बातें हैं जो इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान खान सिकंदर में रश्मिका मंदाना के साथ नजर आएंगे। यह फिल्म 2025 में रिलीज होगी। अभिषेक और ऐश्वर्या की बात करें तो उन्हें कई इवेंट में एक साथ नहीं देखा गया है और इसलिए लोगों को अभी भी लगता है कि वे तलाक ले रहे हैं। उनके परिवारों ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

द ट्रायल सीजन 2 मेंसना शेख के रूप में वापसी कर रहीं कुब्रा सैत, शुरू की शो की शूटिंग

कुब्रा सैत निश्चित रूप से करियर की ऊँचाई पर हैं। सेक्रेड गेम्स, जवानी जानेमन (2021), शहर लाखोट (2023), फर्जी (2023) जैसी प्रशंसित शो और फिल्मों में अपने शानदार किरदारों के लिए जानी जाने वाली इस प्रतिभाशाली अभिनेत्री ने अब द ट्रायल के दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू कर दी है। पहले सीजन में सना शेख का किरदार निभाने वाली सैत को उनके प्रदर्शन के लिए खूब सराहना मिली थी। द ट्रायल के पहले सीजन में काजोल, शीबा चड्ढा, जिशु सेनगुप्ता और अन्य प्रमुख कलाकार शामिल थे। कुब्रा सैत के सीजन 2 में सना शेख के रूप में वापसी करने के साथ ही देखना दिलचस्प होगा कि इस बार उनके किरदार में क्या नई गतिशीलता देखने को मिलती है। द ट्रायल सीजन 2 के अलावा, कुब्रा सैत ने हाल ही में सन ऑफ सरदार 2 के प्रमुख हिस्से की शूटिंग पूरी की है, जिसमें अजय देवगन, मृणाल ठाकुर और रवि किशन भी हैं। कुब्रा डेविड धवन की अगली अनाम कॉमेडी एंटरटेनर में भी नजर आएंगी। इसके अलावा, अभिनेत्री शाहिद कपूर के साथ फिल्म श्देवाश में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जो फरवरी 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ऋतिक रोशन ने पार्टनर सबा आजाद के साथ मनाई सालगिरह, पोस्ट देख यूजर्स बोले-शादी कब हुई

सुपरस्टार ऋतिक रोशन काफी समय से मॉडल सबा आजाद को डेट कर रहे हैं। दोनों अक्सर पब्लिक प्लेस में एक साथ देखा जाता है। इतना ही नहीं, सबा को ऋतिक के फैमिली फंक्शन में भी स्पॉट किया जाता है और दोनों अक्सर वेकेशन मनाते भी नजर आते हैं। अब हाल हील में ऋतिक ने सबा को लेकर ऐसा पोस्ट किया, जिसे देख उनके फैंस कंफ्यूज हो गए। दरअसल, ऋतिक रोशन और सबा आजाद इन दिनों वेकेशन मना रहे हैं और इसी की एक तस्वीर शेयर कर एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा–हैप्पी एनिवर्सरी पार्टनर (हार्ट इमोजी) 1.10.2024। एक्टर के इस पोस्ट पर उनकी एक्स वाइफ सुजैन खान ने अपना रिएक्शन देते हुए लिखा, सुपर फोटो। ऋतिक की बहन पश्मीना ने कमेंट किया, ओह माय डे। फाइटर को–स्टार अक्षय ओबेरॉय ने लिखा, आप दोनों को ढेरों खुशी नसीब हों। वहीं, फैंस एक्टर का ये पोस्ट देख ये समझ नहीं पाए को वो किस लिए उन्हें एनिवर्सरी विश कर रहे है। उन्हें लग रहा है कि शायद दोनों की शादी हो गई, इसलिए सालगिरह की बधाई दे रहे हैं। ऐसे में ऋतिक के एक फैन ने लिखा, आखिर शादी कब हुई? एक शख्स ने लिखा, श्क्या इनकी शादी हो गई है? अन्य ने सवाल किया, शादी के बारे में तो बताया नहीं अब एनिवर्सरी कैसी। ऐसे ही कई यूजर्स ने दोनों की शादी को लेकर सवाल किए। बता दें, ऋतिक और सबा को पहली बार फरवरी 2022 में डिनर डेट पर एक साथ देखा गया था। इसके बाद दोनों को 2022 में करण जौहर के 50वें जन्मदिन पर हाथों में हाथ डाले पार्टी में नजर आए थे। वहीं,सबा को हाल ही में ऋतिक के पिता राकेश रोशन के घर गणेश चतुर्थी 2024 समारोह में भी देखा गया था।

आमिर खान की एक्स वाइफ के पिता का हुआ निधन, रीना दत्ता के घर पहुंचे एक्टर

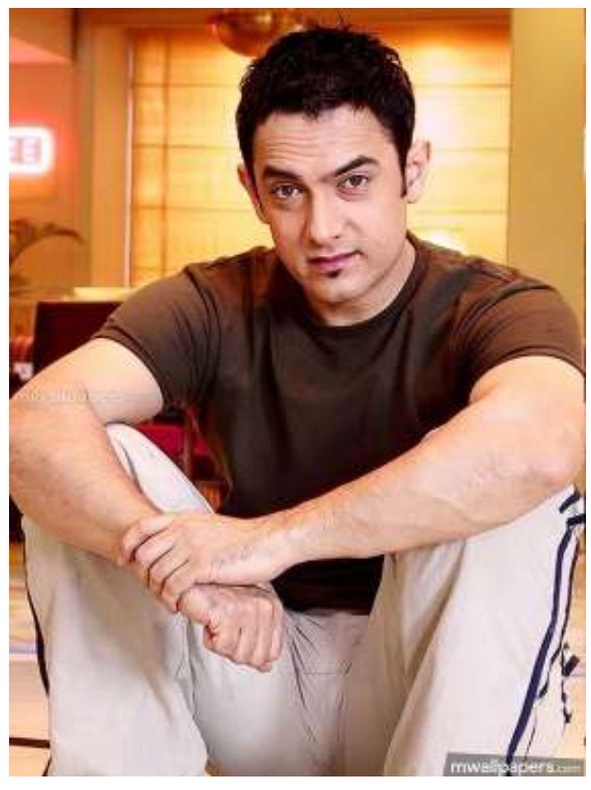

आमिर खान की पहली पत्नी रीना दत्ता के पिता का निधन हो गया है। रीना दत्ता के पिता ने बुधवार यानी 2 अक्टूबर को अंतिम सांसे ली। हालांकि, अभी उनकी मौत की वजह का पता नहीं चल पाया है। ऐसे दुख की घड़ी में आमिर खान अपनी एक्स वाइफ के घर पहुंच गए है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। एक्स ससुर के निधन से आमिर खान को बड़ा झटका लगा है। उनके घर जाते समय एक्टर की आंखें नम दिखाई दीं। बता दें आमिर खान ने 1986 में रीना दत्ता के साथ गुपचुप तरीके से शादी रचाई थी। हालांकि, दोनों की शादी समय तक टिक नहीं पाई और 2002 में उनका तलाक हो गया। बता दें आमिर खान और रीना के दो बच्चे हैं जिनका नाम जुनैद और आइरा है। आमिर खान ने तलाक के तीन साल बाद किरण राव से शादी कर ली थी, लेकिन कुछ सालों बाद एक्टर का किरण से भी तलाक हो गया।

अगर बेहतर मौका मिला तो हिंदी फिल्मों में काम करूंगा... कांतारा अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने जाहिर की ख्वाहिश

कन्नड़ अभिनेता ऋषभ शेट्टी जिन्होंने 2022 में अपनी फिल्म कंतारा से तहलका मचा दिया था। वह राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करके बेहद खुश हैं। 27 सितंबर को अबू धाबी में प्प्थ। उत्सव में भाग लेने वाले अन्य सितारों में शामिल अभिनेता ने जीत के पीछे की अपनी भावनाओं को साझा किया और बताया कि कैसे इसने उन्हें और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया है। 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में कंतारा में अपने प्रदर्शन के लिए ऋषभ शेट्टी ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता था।

हिंदी फिल्मों में काम करने के लिए राजी है अभिनेता ऋषभ शेट्टी

'कांतारा' फिल्म के अभिनेता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने कहा कि कन्नड़ फिल्म जगत उनकी प्राथमिकता है, लेकिन अगर उन्हें सही मौका मिला तो वह हिंदी फिल्म में काम करना चाहेंगे। शेट्टी ने 2022 की एक्शन थ्रिलर 'कांतारा' के लिए देश भर में लोकप्रियता हासिल की। उन्हें इस लोकप्रिय फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब भी मिला। उन्होंने कहा कि भाषाई बाधा अब अतीत की बात हो गई है।

मेरी प्राथमिकता कन्नड़ फिल्म जगत

शेट्टी ने शुक्रवार रात को यहां आइफा पुरस्कार समारोह में कहा, मेरी प्राथमिकता कन्नड़ फिल्म जगत है। इसने मुझे बहुत बड़ा अवसर दिया है। आज कोई भाषाई बाधा नहीं है और लोग यहां आपके काम को पहचानते हैं। बदलाव की बदौलत अब यह भारतीय सिनेमा बन गया है। अगर अच्छा अवसर मिला तो मैं (हिंदी फिल्मों में) काम करूंगा।" हाल ही में एक साक्षात्कार में बॉलीवुड द्वारा भारत को नकारात्मक रूप में चित्रित करने के बारे में उनकी कथित टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर, अभिनेता–फिल्म निर्माता ने कहा, मैं जो कहने की कोशिश कर रहा था उसे गलत समझा गया। मैं (इस बारे में) किसी और दिन स्पष्ट करूंगा। अभिनेता ने आगे बताया कि कंतारा 2 की शूटिंग अभी चल रही है।

कन्नड़ अभिनेता ने IIFA उत्सव में कन्नड़ सिनेमा में उत्कृष्ट उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार भी जीता। काम के मोर्चे पर, ऋषभ शेट्टी अपनी आगामी फिल्म कंतारारू चौप्टर 1 की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो 2022 की हिट फिल्म का प्रीक्वल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 2025 की शुरुआत में सिनेमाघरों में आने की उम्मीद है। आधिकारिक पुष्टि का अभी भी इंतजार है।

पुष्पा 2 के टीजर ने तोड़े रिकॉर्ड, फिल्म की रिलीज से पहले ही दर्शकों में दिखा अद्भुत जोश!

जब से देश भर ने मच अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 द रूल का जबरदस्त टीजर देखा है, तब से इसकी रिलीज के लिए उत्साह बढ़ता ही जा रहा है। टीजर ने रिलीज होते ही रिकॉर्ड तोड़ दिए। इतना ही नहीं, जब इसे बड़ी स्क्रीन पर दिखाया गया, तब दर्शकों के बीच उत्साह स्पष्ट रूप से देखने को मिला। दर्शक एक साथ खुशी से तालियाँ बजाते हुए अपनी खुशी को रोक नहीं पाए। पुष्पा 2 द रूल 6 दिसंबर 2024 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का डायरेक्शन सुकुमार ने किया है और इसे मैथरी मूवी मेकर्स द्वारा इसे प्रोड्यूस किया गया है।

धूपबत्ती से काला हो गया है लकड़ी का मंदिर, नवरात्रि से पहले यूं चमकाएं मिनटों में

नवरात्रि जैसे महत्वपूर्ण त्योहार से पहले घर के मंदिर को साफ करना एक पवित्र कार्य माना जाता है। अगर आपके घर में लकड़ी का मंदिर है और वह काफी गंदा हो गया है तो परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है। इसे साफ करने के लिए कुछ खास तरीकों का पालन किया जा सकता है, जिससे वह जल्दी और आसानी से चमकने लगे। यहां कुछ उपाय दिए गए हैं जिनसे आप मिनटों में अपने लकड़ी के मंदिर को साफ और चमकदार बना सकते हैं:

धूल को हटाए

सबसे पहले एक सूखे, मुलायम कपड़े से मंदिर की सतह पर जमी हुई धूल को अच्छी तरह से साफ करें। मंदिर के कोनों, नक्काशी और जटिल हिस्सों को साफ करने के लिए आप एक पेंट ब्रश या पुराना टूथब्रश भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

हल्के साबुन का उपयोग करें

एक बाल्टी गुनगुने पानी में हल्का साबुन मिलाएं। इसके बाद एक सूती कपड़ा उसमें भिगोएं और उसे हल्के हाथों से निचोड़ें। इस नम कपड़े से मंदिर की लकड़ी की सतह को धीरे–धीरे पोंछें। ध्यान रहे कि ज्यादा पानी का इस्तेमाल न करें, क्योंकि लकड़ी को पानी से नुकसान हो सकता है।

नींबू और तेल का मिश्रण

लकड़ी को चमकदार बनाने के लिए नींबू के रस और जैतून के तेल का मिश्रण उपयोगी होता है। 2 चम्मच नींबू का रस और 1 चम्मच जैतून का तेल मिलाकर एक कपड़े पर लगाएं और मंदिर की लकड़ी की सतह को पोंछ लें। यह न केवल सफाई करेगा, बल्कि लकड़ी में एक प्राकृतिक चमक भी लाएगा।

सफेद सिरके का उपयोग

सफेद सिरका एक बेहतरीन प्राकृतिक क्लीनर है जो लकड़ी पर जमी हुई चिकनाई और धूल को आसानी से हटा देता है। एक कप पानी में 1–2 चम्मच सफेद सिरका मिलाएं और उसमें एक कपड़ा भिगोकर लकड़ी की सतह को हल्के हाथों से पोंछें। इसके बाद सूखे कपड़े से फिर से पोंछ लें।

नारियल तेल से पॉलिश करें

मंदिर की लकड़ी को चमकदार बनाने के लिए आप नारियल तेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। एक साफ कपड़े पर थोड़ा नारियल तेल लें और मंदिर की सतह पर रगड़ें। इससे लकड़ी में नई चमक आ जाएगी और उसकी उम्र भी बढ़ेगी।

सफाई के बाद धूप दिखाएं

मंदिर को पूरी तरह से साफ करने के बाद धूपबत्ती जलाएं और मंदिर में एक पवित्र वातावरण बनाएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा और पूजा स्थल अधिक पवित्र महसूस होगा। इन सरल उपायों से नवरात्रि से पहले आपके घर का मंदिर साफ और चमकदार हो जाएगा।

नवरात्रि से पहले घर पर करें फेशियल, चेहरे पर आएगा गजब का निखार

नवरात्रि के पहले दिन व्रत रखने के बाद आप सुंदर लगना चाहती है, जिससे कि हर कोई आपके चेहरे का निखार पूछें। इसके लिए कई लोग पार्लर भी जाते हैं। लेकिन अगर आपके पास समय की कमी है और पार्लर नहीं जा सकती हैं। तो आप घर पर भी फेस क्लीन और फेशियल कर सकती हैं। क्योंकि आज हम आपको घर पर ही फेशियल करने का ऐसा खास तरीका बताने वाले हैं। जिससे कि आपके चेहरे का निखान पूरे 9 दिनों तक बना रहेगा। नवरात्रि से पहले और बीच के दिनों में आप इस नुस्खे को अपना सकती हैं। जिससे कि चेहरे का निखार और भी बढ़ जाए। हालांकि इस बात में कोई दोराय नहीं है कि फेस पर निखार पाने के लिए हम पार्लर जाते हैं और हजारों–रुपए का फेशियल कराते हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर और बहुत ही सस्ते में फेशियल करने का तरीका बताने जा रहे हैं। जिससे आपके फेस पर चमक भी आएगी और आपका पार्लर का पैसा भी बच जाएगा।

फेस क्लीन

पपीता– 1 चम्मच (गूदा)
शहद– 1 चम्मच
चीनी का बूरा– 1 चम्मच

इन तीनों चीजों को अच्छे से मिक्स कर अपने फेस पर अप्लाई करें। अब इसको क्लीन करना है। इससे आपके फेस की सफाई होगी और साथ ही आपकी त्वचा की स्क्रबिंग होगी। इन तीनों चीजों को 5 मिनट तक स्क्रब करें और फिर नॉर्मल पानी से चेहरा धो लें।

फेशियल

चावल का आटा– 2 चम्मच
बेसन– 1 चम्मच
शहद– 2 चम्मच
हल्दी– 1/3 चम्मच
कच्चा दूध– जरूरत अनुसार

सबसे पहले एक कटोरी में चावल का आटा, बेसन और शहद डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

फिर इसमें हल्दी और जरूरत अनुसार कच्चा दूध डालकर गाढ़ा मलाई जैसा स्मूथ पेस्ट तैयार कर लें।

अब आप इस फेस पैक से अपने चेहरे पर एक पतली सी लेयर अप्लाई करें।

इसके बाद इस फेसपैक को करीब 10–15 मिनट तक सूखने के लिए छोड़ दें।

फिर फेस को गीले कपड़े से पोछ लें।

फेस को साफ करने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। अगर आपको ठंडा या नॉर्मल पानी से समस्या नहीं है, तो इसका भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

ऐसे रखें स्किन का ख्याल

फेशियल करने के बाद आप अपनी त्वचा को मॉइस्चराइजर या फिर किसी हाइड्रेटिंग क्रीम का इस्तेमाल करें। वहीं अगर आप विटामिन सी सीरम का इस्तेमाल करती हैं, तो सीरम फेस पर लगाएं और त्वचा को हाइड्रेट रखें। स्किन को हाइड्रेट रखने का यह बेहतर तरीका है।

नवरात्र में अपने घर को सुंदर और बजट- फ्रेंडली सजाएं

नवरात्रि पर्व का आरंभ कल यानी 3 अक्तूबर से हो रहा है। ऐसे में आप नवरात्र में अपना घर का अच्छे से सजा सकते हैं। अपने घर को नवरात्रि में पारंपरिक ढंग से सजावट जरुर करें। इस साल नवरात्रि में अनोखे, आकर्षक माहौल के लिए सरल और किफायती सजावट के साथ अपने घर के माहौल को बेहतर बनाएं जो आपके उत्सव की भावना को और अधिक करेगा।

शारदीय नवरात्रि एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार, इस फेस्टिवल सीजन की शुरुआत कल यानी 3 अक्तूबर 2024 से हो रही है और 12 अक्टूबर को समाप्त होगा। देवी दुर्गा को समर्पित यह हिंदू त्योहार दसवें दिन दशहरा (विजयादशमी) के साथ समाप्त होगा। इस दौरान घरों को रंग–बिरंगी सजावट, रोशनी, फूलों और रंगोली से खूबसूरती से सजाया जाता है। इस साल अपने घर के माहौल को बेहतर क्यों न बनाया जाए? सरल और किफायती सजावट को शामिल करके, आप एक अनोखा और आकर्षक माहौल बना सकते हैं जो आपकी उत्सव की भावना को बढ़ाता है।

लालटेन और लाइट

अपने घर की साज–सज्जा को बेहतर बनाने के सबसे सरल तरीकों में से एक है लालटेन को शामिल करना। चाहे उन्हें अपनी बालकनी पर टीलाइट के साथ लटकाना हो या सीढ़ियों के साथ लगाना हो, यह आकर्षक माहौल बनाते हैं। इसके अतिरिक्त अपनी बालकनी या सीढ़ी को रोशन करने के लिए रंगीन लाइट रोशनी का उपयोग करने से एक उत्सव का स्पर्श जुड़ जाता है जिसे अनदेखा करना मुश्किल है।

रंगोली डिजाइन मैट

अगर आपको नवरात्रि में अपने घर को एक अलग रुप देना तो इस तरह से घर को संजाए। पारंपरिक रंगोली बनाने में समय लगाने के बजाय आप अच्छी डिजाइन वाले सजावटी मैट चुनें। ये मेट न केवल आपके दरवाजे पर आए मेहमानों का स्वागत करती हैं, बल्कि सही उत्सव का मूड भी बनाती हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि आपका घर स्वागत योग्य महसूस हो।

वॉल अर्ट

अपनी दीवारों को सजाने के लिए आप घर पर वॉल अर्ट। नवरात्रि में रंगोली से प्रेरित दीवार पेंटिंग हैं। त्योहार के बाद इस विकल्प को हटाना आसान है और आपके प्रवेश द्वार मैट के साथ दीवार कला का मिलान एक दृश्यमान आकर्षक लुक बनाता है।

घर में पौधे लगाएं

इनडोर पौधे आपके घर में जीवन भरने का एक बजट–अनुकूल तरीका है। केवल घर को सुंदर बनाता हैं, बल्कि वायु की गुणवत्ता में भी सुधार करते हैं। अतिरिक्त बनावट के लिए कृत्रिम गुलदस्ते या घास के तनो लगा सकते हैं।

सुगंध वाली मोमबत्ती लगाएं

सुगंधित मोमबत्तियां एक और आसान विकल्प है जो आपके कमरे का स्वरूप तुरंत बदल सकती है और उत्सव के जश्न का मूड बना सकती है। स्वागत योग्य चमक और सुखद खुशबू के लिए अपने लिविंग रूम में सजावटी होल्डरों में कुछ सुगंधित मोमबत्तियां रखें।

फटी एड़ियां-ठंडे पैर, ऐसे संकेतों को कभी न करें नजरअंदाज, हो सकती है गंभीर बीमारी

पैरों की सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी है, क्योंकि ये न केवल हमारी गतिशीलता को प्रभावित करते हैं, बल्कि कई बार अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत भी देते हैं। यदि आप अपने पैरों में किसी भी प्रकार की समस्या अनुभव कर रहे हैं, तो इसे अनदेखा करने से बचें।

यहाँ हम आपको पैरों से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण संकेतों के बारे में बता रहे हैं, जो आपकी सेहत के लिए अहम हो सकते हैं।

पैरों में सूजन

पैरों की सूजन को आम समस्या समझा जाता है, लेकिन यह कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकता है। अगर आपके पैरों में नियमित रूप से सूजन आ रही है, तो यह किडनी रोग, हाइपरटेंशन या अस्वस्थ लिवर का संकेत हो सकता है। इस समस्या को नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

पैर ठंडे होना

अगर आपके पैर ठंडे हैं, तो यह विभिन्न कारणों से हो सकता है, जैसे रक्त की कमी, विटामिन की कमी, या नसों में दबाव। ठंडे पैर अक्सर डायबिटीज, विटामिन बी12 की कमी, या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत देते हैं। यदि आप अक्सर इस समस्या का सामना कर रहे हैं, तो उचित चिकित्सा सहायता प्राप्त करें।

स्पाइडर वेन्स– फैली हुई नसें

पैरों में फैली हुई जाली जैसे नसें, जिन्हें स्पाइडर वेन्स कहा जाता है, हरी या लाल रंग की होती हैं। ये नसें उच्च रक्तचाप (हाई बीपी) का संकेत हो सकती हैं और अक्सर प्रेग्नेंसी के दौरान या बर्थ कंट्रोल पिल्स का अधिक सेवन करने वाली महिलाओं में भी पाई जाती हैं। यदि आप इनसे प्रभावित हैं, तो अपने डॉक्टर से परामर्श करें।

फटी एड़ियां

हालांकि, फटी एड़ियां आमतौर पर गंभीर समस्या नहीं मानी जाती हैं, लेकिन यह विटामिन बी–12 की कमी का संकेत हो सकती हैं। विशेष रूप से महिलाओं में फटी एड़ियां एक सामान्य समस्या मानी जाती हैं, लेकिन यह भी डायबिटीज का संकेत हो सकती हैं। अपने आहार में आवश्यक विटामिन्स को शामिल करें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

पैरों में झनझनाहट

पैरों में झनझनाहट विभिन्न कारणों से हो सकती है, जैसे नसों में दबाव, विटामिन्स की कमी, या रक्त की कमी। यह समस्या अक्सर डायबिटीज, विटामिन बी12 की कमी, या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकती है। यदि आप लगातार झनझनाहट महसूस कर रहे हैं, तो इस पर गंभीरता से ध्यान दें।

पैरों से जुड़ी समस्याएं अक्सर आपकी सेहत के अन्य पहलुओं को भी प्रभावित कर सकती हैं। इसीलिए, पैरों में किसी भी प्रकार की समस्या को नजरअंदाज न करें। यदि आप इनमें से किसी भी संकेत का अनुभव कर रहे हैं, तो तुरंत चिकित्सीय सलाह लें। स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और समय–समय पर चिकित्सीय जांच आवश्यक है। अपने पैरों का ध्यान रखें और इन्हें स्वस्थ रखें!

इसके अलावा

पैरों की उचित देखभाल के लिए नियमित रूप से फुट स्पा का आनंद लें। पैर की त्वचा को नमी प्रदान करने के लिए अच्छे क्रीम या ऑयल का उपयोग करें। फटी एड़ियों से बचने के लिए प्रतिदिन पर्याप्त पानी पिएं और संतुलित आहार लें।

इस जानकारी से आपको अपने पैरों की सेहत को समझने में मदद मिलेगी और आप गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकेंगे।

संक्षिप्त

एयर इंडिया के कर्मचारियों के लिए आई नई नीति, गोपनियता को लेकर जताई चिंता

एयर इंडिया के कर्मचारियों के लिए नई नीति कंपनी ने लॉन्च की है। इस नीति को लेकर कर्मचारियों ने अपनी परेशानी भी साझा की है। एयर इंडिया के कई कर्मचारियों ने गोपनीयता और थकान संबंधी चिंताएं व्यक्त की है। कंपनी ने 1 दिसंबर से अपने केबिन क्रू सदस्यों के लिए नई रूम शेयरिंग नीति लागू करने का प्रस्ताव रखा है। द हिंदू की बुधवार की रिपोर्ट के अनुसार सीईओ कैम्पबेल विल्सन और मुख्य मानव संसाधन अधिकारी रविन्द्र कुमार को ईमेल भेजा है। इस ईमेल में उन्होंने कर्मचारियों से कहा है कि नई नीति से कर्मचारियों के आराम करने की प्रक्रिया पर काफी असर होगा। नई नीति का नकारात्मक असर उनकी सेहत के साथ ही उनके काम के प्रदर्शन पर भी पड़ेगा। कर्मचारियों ने आराम और गोपनीयता के लिए निजी स्थान की आवश्यकता पर बल दिया, विशेष रूप से बहुत लंबे उड़ान घंटों और 18 घंटे तक की अनियमित शिफ्ट के बाद। कंपनी को दिए गए अपने ज्ञापन में उन्होंने बताया कि क्रू की उड़ान अनुसूची अलग–अलग होती है, इसलिए उन्हें अलग–अलग नींद और आराम चक्र की आवश्यकता होती है। इन चिंताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए एयरलाइन के प्रवक्ता ने द हिंदू को बताया कि विलय के बाद एयर इंडिया और विस्तारा की कर्मचारी नीतियों में सामंजस्य स्थापित करने की आवश्यकता है। प्रवक्ता ने कहा कि ये नीतियां घोषित मुआवजे और लाभों का हिस्सा हैं जो ष्प्रतिस्पर्धी और उद्योग मानकों के अनुरूप हैं।ष् एयर इंडिया में केबिन क्रू प्रशिक्षण के पूर्व सुरक्षा एवं आपातकालीन प्रक्रिया प्रशिक्षक अरुण कपूर ने कहा कि नई प्रस्तावित नीति सुरक्षित नहीं है। उन्होंने बताया, ष्विभिन्न लोग काम के बाद अपने–अपने तरीके से आराम करना पसंद करते हैं। कोई टेलीविजन देखना पसंद कर सकता है, तो कोई पढ़ना चाहता है।ष् उन्होंने यह भी बताया कि एक ही उड़ान में केबिन क्रू सदस्यों की आराम संबंधी आवश्यकताएं अलग–अलग हो सकती हैं।

एयर इंडिया की नई नीति

नई नीति के अनुसार, केबिन क्रू और केबिन सीनियर्स को ट्विन शेयरिंग के आधार पर कमरे आवंटित किए जाएंगे। उड़ान के दौरान 8 से 9 वर्ष के अनुभव वाले केबिन प्रबंधकों और अधिकारियों को एकल कमरे आवंटित किए जाते रहेंगे। एयरलाइन के सूत्रों ने पीटीआई को बताया कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के केबिन क्रू के भत्ते 75–125 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 85–135 अमेरिकी डॉलर कर दिए जाएंगे। घरेलू उड़ानों के केबिन क्रू के लिए प्रति रात्रि ध्1,000 के भत्ते में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि एयर इंडिया एक्सप्रेस और विस्तारा में कमरा साझा करने की नीति पहले से ही प्रचलित है, लेकिन यह पहली बार होगा जब टाटा समूह के स्वामित्व वाली घाटे में चल रही एयर इंडिया में इसे लागू किया जाएगा। यह नई नीति ऐसे समय में आई है जब कर्मचारियों का एक वर्ग केंद्रीय श्रम आयुक्त के समक्ष श्रम कानून के तहत मानव संसाधन संबंधी मुद्दों के निवारण की मांग कर रहा है।

सेंसेक्स में आज 1,600 अंकों की गिरावट, निवेशकों को हुआ 8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

त्योहारों की शुरुआत हो चुकी है। इसी बीच शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स गुरुवार को 1600 अंक गिर गया। निफ्टी 50 में भी गिरावट देखने को मिली है। एशियाई बाजार में भारी गिरावट देखने को मिल गई है। जानकारी के मुताबिक निफ्टी 50 भी 25,300 अंक से नीचे आ गया। यह ऐसे समय में हुआ जब मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के कारण अन्य एशियाई बाजारों में भी गिरावट देखी गई है। इस सप्ताह की शुरुआत में ईरान द्वारा इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के बाद मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने से विश्व भर के निवेशक चिंतित हैं। कुल 13 प्रमुख क्षेत्रीय सूचकांकों में से 12 में गिरावट दर्ज की गई, जिनमें प्रतिशत के हिसाब से रियल्टी और ऑटो सूचकांक सबसे अधिक गिरावट वाले रहे, जिनमें क्रमशः 2.6ः और 1.7ः की गिरावट आई। व्यक्तिगत शेयरों में उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनी डाबर ने 2020 के बाद पहली तिमाही में राजस्व में गिरावट का अनुमान लगाते हुए 5.5ः की गिरावट दर्ज की। भारत के बाजार नियामक सेबी द्वारा इक्विटी डेरिवेटिव ट्रेडिंग के नियमों को कड़ा किए जाने के कुछ दिनों बाद, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज और 5पैसा कैपिटल जैसे अधिकांश ब्रोकरेज शेयरों में लगभग 1.5ः की गिरावट आई, जबकि एसएमसी ग्लोबल में लगभग 2.3ः की गिरावट आई। लैडरअप वेल्थ मैनेजमेंट के प्रबंध निदेशक राघवेंद्र नाथ ने कहा, ष्निवेशक इस समय मध्य पूर्व संघर्ष को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि इसका भारतीय बाजारों पर बहुत अधिक असर होगा, क्योंकि तेल की कीमतों में किसी भी तरह की वृद्धि का देश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि वह इस कमोडिटी का आयातक है।

आईपीएल 2025: मोहम्मद शमी को गुजरात टाइटंस नहीं करेगी रिटेन? पूर्व क्रिकेटर ने बताया कारण

मोहम्मद शमी इस समय अपनी इंजरी से उबर रहे हैं। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद से वो टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। शमी अपनी फिटनेस पर जमकर काम कर रहे हैं और कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक वो न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के जरिए क्रिकेट के मैदान पर कर सकते हैं। इन सारी बातों के बीच टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने शमी को लेकर बड़ी बात कही है। दरअसल, पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि गुजरात टाइटंस चोट के कारण आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले तेज गेंदबाज शमी को रिटेन नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि गुजरात की टीम सिर्फ 3 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। सभी खिलाड़ियों को रिलीज कर सकती है। शमी ने आईपीएल 2023 में पर्पल कैप जीता था और 28 विकेट अपने नाम किए थे। उनकी टीम गुजरात उप विजेता रही थी। आईपीएल 2024 में घुटने की सर्जरी के कारण से शमी खेलने से चूक गए थे। आकाश के मुताबिक गुजरात कप्तान शुभमन गिल, राशिद खान और साई सुदर्शन को रिटेन कर सकती है। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चौनल पर बात करते हुए कहा कि एक बहुत ही सीधा रिटेंशन होगा कि आपको शुभमन गिल को रखना होगा। दूसरा कोई दिमाग लगाने वाली बात नहीं है, वह राशिद खान हैं। आपको उन्हें भी रिटेन करना चाहिए। मुझे लगता है कि साई सुदर्शन तीसरे खिलाड़ी हैं जिन्हें रिटेन किया जाना चाहिए। इसके बाद उनके पास कोई ऐसा खिलाड़ी नहीं है जिसकी कीमत 18 करोड़ हो, जिसे आप रिलीज करने पर 18 करोड़ में बेच सकें, चाहे वह केन विलियमसन हो, शमी हो, डेविड मिलर हों या कोई और नाम हो।

ऋषभ पंत को दिल्ली कैपिटल्स करेगी रिटेन? पार्थ जिंदल ने दिया ये जवाब

आईपीएल 2025 का इंतजार फैंस को अभी से है। इसी साल के अंत में आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन होना है। वहीं मेगा ऑक्शन से पहले सभी फ्रेंचाइजी टीमों को अपने रिटेन्ड किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट बीसीसीआई को सौंपनी है। खिलाड़ियों के रिटेंशन को लेकर बीसीसीआई ने नियमों का ऐलान कर दिया है। वहीं कहा जा रहा है कि, ऋषभ पंत आईपीएल 2025 में किसी और फ्रेंचाइजी टीम के लिए खेल सकते हैं। पंत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान हैं। लेकिन अब दिल्ली कैपिटल्स के ओ–ओनर पार्थ जिंदल ने साफ कर दिया है पंत आईपीएल 2025 में भी दिल्ली कैपिटल्स का ही हिस्सा रहेंगे और उनकी फ्रेंचाइजी टीम उनको रिटेन करेगी। आईएनएस को दिए इंटरव्यू में पार्थ ने कहा कि, हां हम पंत को जरूर रिटेन करेंगे। हमारी टीम में कुछ बहुत ही शानदार खिलाड़ी हैं। अभी रिटेंशन के नियम हमारे सामने आए ही हैं, तो जीएमआर के साथ और हमारे डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट सौरव गांगुली के साथ डिसकशन के बाद हम कोई फैसला लेंगे। पंत को पक्का ही रिटेन किया जाएगा। हमारे पास अक्षर पटेल हैं, जो बहुत ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं। दिल्ली कैपिटल्स के ओनर ने आगे कहा कि, ट्रिस्टन स्टब्स, जेक फ्रेजर मैकगर्क, कुलदीप यादव, अभिषेक पोरेल, मुकेश कुमार और खलीली अहमद ये सभी खिलाड़ी हमारी टीम में काफी शानदार हैं। बीसीसीआई ने रिटेंशन को लेकर जो नियम पेश किए हैं, उनसके हिसाब से कोई भी फ्रेंचाइजी टीम अपने 6 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। इसके लिए रिटेंशन के साथ राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है।

कर्मचारियों पर अधिक दबाव डालने वाली कंपनियों के लिए गति बनाये रखना मुश्किलरू जोहो सीईओ

कार्यस्थल पर दबाव को लेकर उद्योग जगत में जारी चर्चा के बीच प्रौद्योगिकी कंपनी जोहो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और सह संस्थापक श्रीधर वेम्बू ने कहा है कि जो कंपनियां कर्मचारियों पर 'बहुत अधिक' दबाव डालती हैं, वे बाजार में अपनी गति को बनाये नहीं रख पाएंगी। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक और टिकाऊ संगठन बनाने के लिए एक 'अलग' मानसिकता की आवश्यकता है। उद्योगपति और सामाजिक उद्यमी वेम्बू ने पीटीआई–के साथ विशेष बातचीत में कहा कि बड़े शहरों में प्रवास के बाद थकान, अकेलापन, लंबी यात्राएं और तनावपूर्ण काम की स्थिति लोगों को बहुत दबाव वाली जैसी स्थिति डाल में रही है। उन्होंने यह भी कहा कि बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों को विनियमित किया जाने की जरूरत है। उन्होंने डिजिटल एकाधिकार की स्थिति बनने से रोकने और उसपर लगाम लगाने के लिए 'मानकों' के महत्व पर जोर दिया। कार्यस्थल पर तनाव के मुद्दे पर वेम्बू ने कहा कि हालांकि उन्होंने 27–28 साल काम किया है और यदि संभव हुआ तो 28 साल और काम करने को इच्छुक हैं। लेकिन वह निश्चित रूप से अंधाधुंध तरीके से काम के पक्ष में नहीं हैं, जिससे खुद या फिर उनके कर्मचारी अत्यधिक दबाव तथा थकान महसूस करें। उनकी यह बात प्रमुख परामर्श कंपनी में एक युवा कर्मचारी की दुखद मौत के संदर्भ में महत्वपूर्ण है।

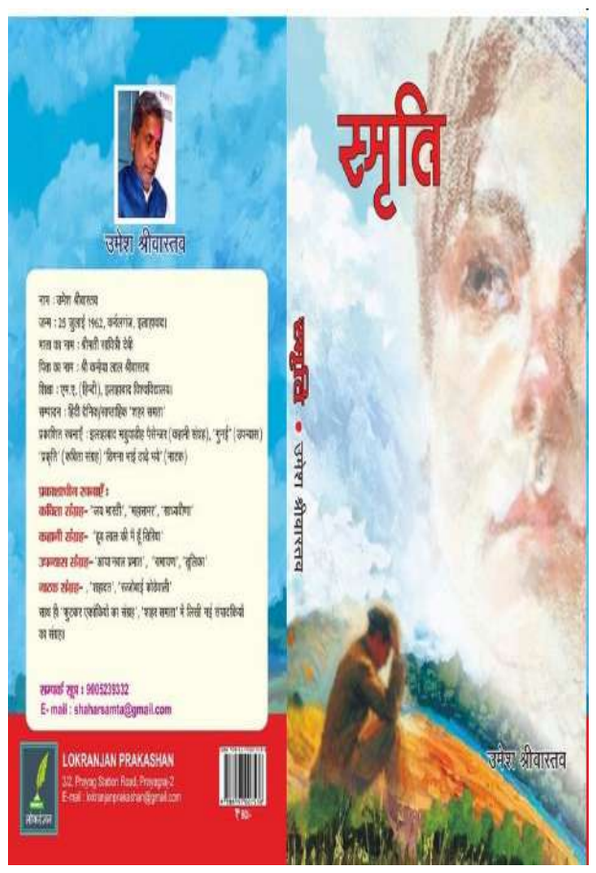

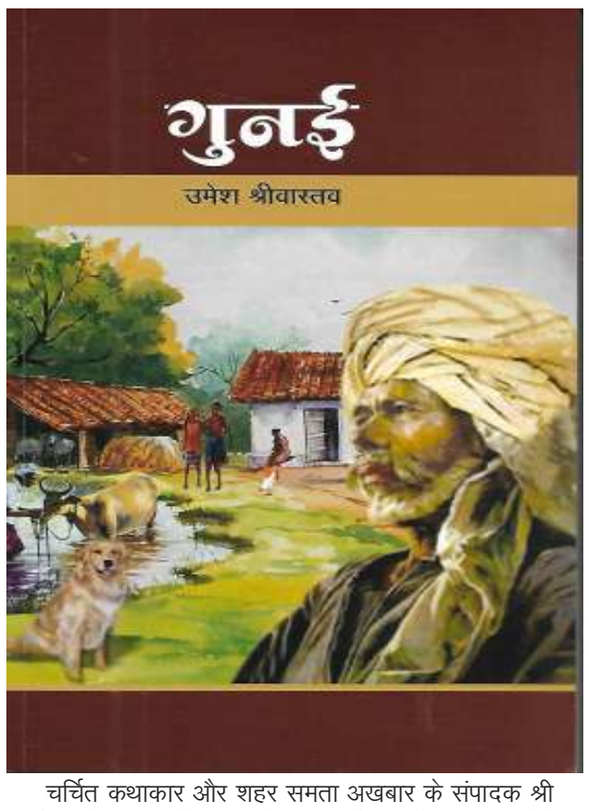

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

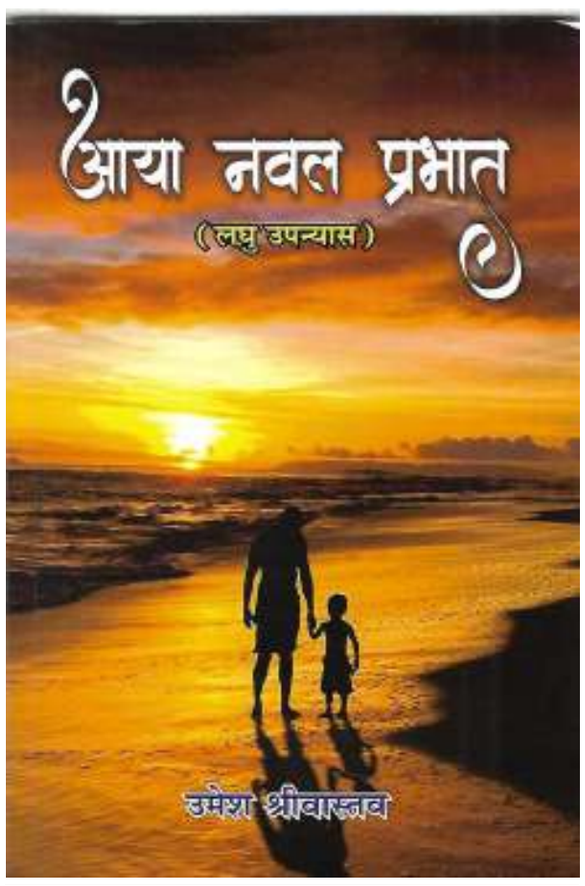

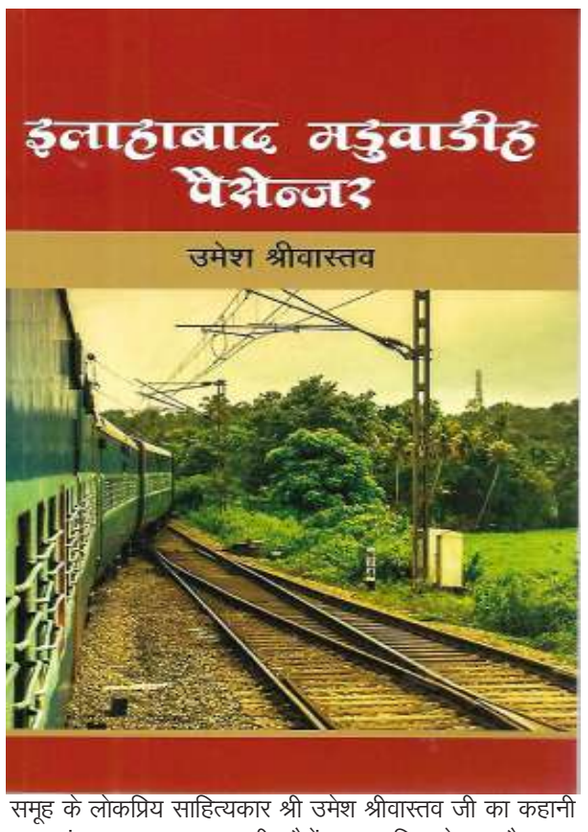

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

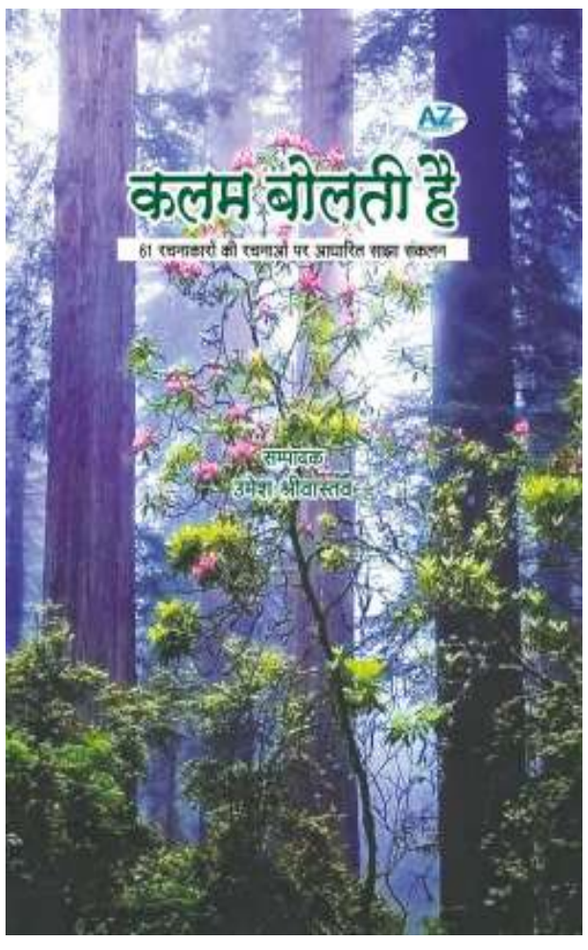

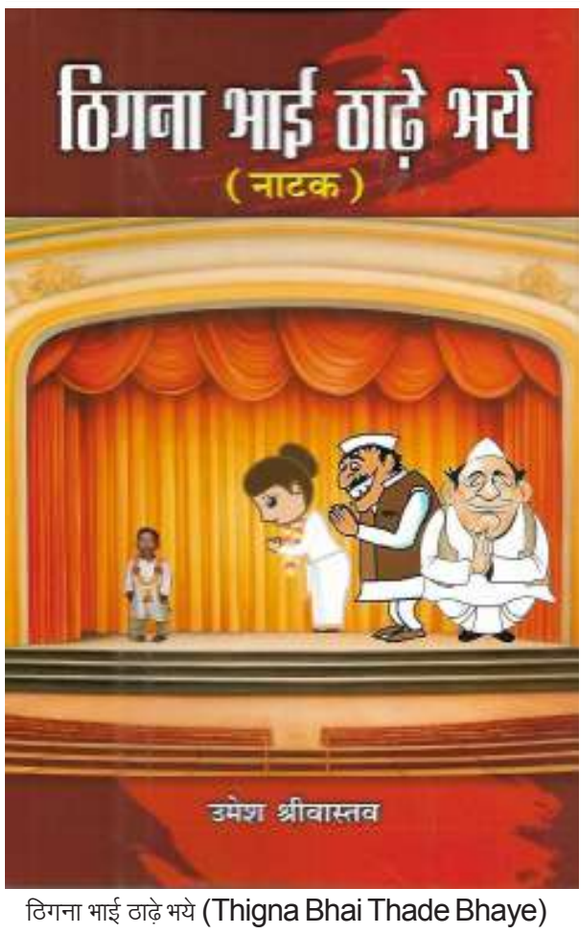

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

इजरायल के साथ युद्धविराम के लिए तैयार हो गया था नसरल्लाह, लेबनान के मंत्री का दावा, अमेरिका और फ्रांस को दी गई थी जानकारी

लेबनान के विदेश मंत्री अब्दुल्ला बौ हबीब ने सीएनएन को बताया कि बेरूत में इजरायली हवाई हमले में मारे जाने से कुछ दिन पहले ही हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ 21 दिनों के युद्धविराम पर सहमति जताई थी। पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर मुलाकात के बाद बाइडेन, मैक्रों और अन्य सहयोगियों द्वारा अस्थायी युद्धविराम का आह्वान किया गया

था। सितंबर के मध्य में समूह द्वारा इस्तेमाल किए गए पेजर और वॉकी–टॉकी के कई विस्फोटों के लिए हिजबुल्लाह द्वारा इज़राइल को दोषी ठहराए जाने के बाद युद्धविराम की मांग उठी। हबीब ने कहा कि हम पूरी तरह सहमत थे। लेबनान युद्धविराम के लिए सहमत हुआ लेकिन (बाद में) हिजबुल्लाह के साथ परामर्श किया। (लेबनानी सदन) के अध्यक्ष नबीह बेरी ने हिज़्बुल्लाह के साथ परामर्श किया और हमने अमेरिकियों और फ्रांसीसियों को इस बारे में सूचित किया कि क्या हुआ था। उन्होंने हमें बताया कि नेतन्याहू उस बयान पर भी सहमत थे जो दोनों (अमेरिकी और फ्रांसीसी) राष्ट्रपतियों द्वारा जारी किया गया था। लेबनानी विदेश मंत्री के अनुसार, व्हाइट हाउस के वरिष्ठ सलाहकार अमोस होचस्टीन युद्धविराम समझौते पर बातचीत करने के लिए लेबनान जाने वाले थे। हबीब ने कहा कि उन्होंने हमें बताया कि श्री नेतन्याहू इस पर सहमत हैं और इसलिए हमें इस पर हिजबुल्लाह की सहमति भी मिली और आप जानते हैं कि तब से क्या हुआ।

पाकिस्तान में इस वर्ष पोलियो के 26 मामले सामने आए

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पोलियो के दो नये मामले सामने आने के बाद इस साल देश में इस बीमारी के मामलों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सिंध प्रांत के कराची पूर्व और सुजावल जिलों में इन नये मामलों की पुष्टि हुई है। इन मामलों के सामने आने के बाद देश में पोलियो वायरस के उन्मूलन के प्रयासों को झटका लगा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान में पोलियो उन्मूलन के लिए क्षेत्रीयप्रयोगशाला द्वारा जारी एक बयान में कहा गया,

''कराची पूर्व और सुजावल से इस साल का यह पहला मामला है, जहां पर्यावरणीय नमूनों में हाल के महीनों में पोलियो वायरस की मौजूदगी देखी गई है। इससे पता चलता है कि यह समुदायों में फैल रहा है और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर रहा है।'' पोलियो उन्मूलन के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की विशेष प्रतिनिधि आयशा रजा फारूक ने नये मामलों को पाकिस्तानी बच्चों के लिए ''चिंताजनक'' बताया और कहा कि उन्हें अभी भी एक ऐसी बीमारी से खतरा है जिससे आसानी से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा, ''पोलियो का कोई इलाज नहीं है।''उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बार–बार टीकाकरण से बच्चों को इस ''भयानक'' बीमारी के प्रभावों से बचाया जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों, सामुदायिक नेताओं और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे सभी बच्चों का टीकाकरण कराने के लिए तत्काल कदम उठाएं।

ईरान के परमाणु स्थलों पर इजराइली हमले का समर्थन नहीं करूंगा : जो बाइडन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित स्थलों पर इजराइल के किसी हमले का समर्थन नहीं करेंगे। बाइडन से बुधवार को जब पूछा गया कि ईरान द्वारा मंगलवार को इजराइल पर लगभग 180 मिसाइल दागे जाने के बाद क्या वह इस तरह की जवाबी कार्रवाई का समर्थन करेंगे तो उन्होंने कहा, ''इसका जवाब 'ना' है।'' बाइडन ने यह टिप्पणी ऐसे समय की है जब उनके और जी–7 के अन्य नेताओं ने बुधवार को ईरान के खिलाफ नए प्रतिबंधों के समन्वय पर फोन पर चर्चा की थी। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि जी–7 नेताओं ने 'ईरान द्वारा इजराइल पर किए गए हमले की स्पष्ट रूप से निंदा की' और बाइडन ने अमेरिका की ओर से 'इजराइल और उसके लोगों के प्रति पूर्ण एकजुटता और समर्थन' की बात दोहराई। इस बीच, अमेरिकी प्रशासन ने संकेत दिया है कि उसने इजराइल से आग्रह किया है कि वह मंगलवार के मिसाइल हमले का जवाब देने में संयम बरते।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच जयशंकर-ब्लिंकन की मुलाकात, क्या शांति के प्रयासों को मिलेगी सफलता?

विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन ने वॉशिंगटन डीसी में मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों ने वेस्ट एशिया की स्थिति, भारतीय उपमहाद्वीप, इंडो– पैसिफिक व यूक्रेन में हाल के घटनाक्रमों पर चर्चा करते हुए क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए साथ मिलकर काम करने पर कमिटमेंट जाहिर की है। पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार में आने के बाद अपनी पहली यात्रा पर वॉशिंगटन पहुंच कर जयशंकर ने अमेरिकी विदेश विभाग के प्रमुख एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के हेडक्वार्टर फॉगी बॉटम में बैठक के बाद ब्लिंकन ने कहा कि 'अमेरिका और भारत क्षेत्रीय और ग्लोबल चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और मैंने जलवायु संकट पर हमारे निरंतर सहयोग और रीजनल सिक्योरिटी को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की। वहीं, जयशंकर ने कहा कि वॉशिंगटन में ब्लिंकन के साथ बातचीत करके बहुत खुशी हुई। हमने डेलावेयर द्विपक्षीय और क्वॉड बैठकों पर चर्चा की। हमारी बातचीत में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने, वेस्ट एशिया की स्थिति, भारतीय उपमहाद्वीप और इंडो– पैसिफिक व यूक्रेन में हाल के घटनाक्रम शामिल थे। उन्होंने पीएम मोदी की अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ हालिया बाइलैटरल बैठक का जिक्र किया। अमेरिका के राष्ट्रपति ने 21 सितंबर को द्विपक्षीय बैठक के लिए अपने यूक्रेन के लिए न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के महत्व को दोहराया। जयशंकर ने डेलावेयर में प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के बीच शानदार बैठक और सार्थक क्वाड बैठक के लिए ब्लिंकन को धन्यवाद दिया इससे पहले दिन में जयशंकर ने शीर्ष अमेरिकी 'थिंक–टैंक' कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस में एक चर्चा में भाग लिया।

बांग्लादेश ने उठाया बड़ा कदम, अपने राजदूतों को भारत से वापस बुलाया

शेख हसीना के पद से हटने और देश छोड़ने के बाद बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार ने गुरुवार को बड़ा फैसला लिया है। विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने एक बड़े राजनयिक फेरबदल में भारत के उच्चायुक्त मुस्तफिजुर रहमान सहित पांच दूतों को वापस बुला लिया है। अधिकारी ने बताया कि विदेश मंत्रालय ने ब्रुसेल्स, कैनबरा, लिस्बन, नई दिल्ली में दूतों और न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के स्थायी मिशन को तुरंत राजधानी ढाका लौटने का आदेश दिया। यह कदम बांग्लादेश में राष्ट्रीय चुनाव से पहले उठाया गया है। हालाँकि राजनयिकों को वापस बुलाने के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं है। विश्लेषकों के अनुसार सत्ता में फेरबदल के बाद राजनयिक प्राथमिकताओं को फिर से संरेखित करने के अंतरिम सरकार के प्रयासों का हिस्सा हो सकती है। रहमान 2020 से भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने दोनों पड़ोसी देशों के बीच विशेष रूप से व्यापार, कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर घनिष्ठ सहयोग की अवधि का निरीक्षण किया। यह कदम ऐसे समय में आया है जब दक्षिण एशियाई देश में कई तरह के बदलाव देखने को मिले हैं। विरोध प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना को इस्तीफा देने और भारत भागने के लिए मजबूर होने के बाद मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में पदभार संभाला। हसीना को सत्ता से बेदखल करने वाले छात्र–नेतृत्व वाले आंदोलन के परिणामस्वरूप 700 से अधिक लोग मारे गए, जिससे भारत के साथ संबंध तनावपूर्ण हो गए। यह देश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के बीच भी आया है। हसीना को हटाए जाने के तुरंत बाद, हिंदुओं और मंदिरों पर हमलों की खबरें सामने आईं। इसके बाद देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों पर 5 अगस्त को हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद कम से कम 205 हमले हुए।

कमजोर पड़ा तूफान क्रेथॉन, लेकिन अभी भी खतरनाक, ताइवान में दो की मौत

तूफान क्रेथॉन गुरुवार को ताइवान के दक्षिणी पश्चिमी तट से टकराया। हालांकि तूफान क्रेथॉन अब थोड़ा कमजोर हुआ है, लेकिन अभी भी ये खतरनाक श्रेणी में बना हुआ है। तूफान के चलते ताइवान में दो लोगों की मौत की खबर है। तूफान क्रेथॉन के चलते ताइवान में जनजीवन लगभग थम सा गया है और सभी स्कूल–कॉलेज और आर्थिक संस्थान बंद हैं। सैंकड़ों उड़ान सेवाएं भी रद्द कर दी गई हैं।

लोगों को घरों के भीतर रहने की सलाह

ताइवान की सरकार ने लोगों को घरों के भीतर रहने और बाहर न निकलने की सलाह दी है। तूफान कमजोर पड़ चुका है, लेकिन अभी भी तूफान के असर से ताइवान के कई इलाकों में भारी बारिश, तेज हवाएं और समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं। तूफान क्रेथॉन ताइवान के काओसिउंग शहर से टकराया है, जहां 160 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। ताइवान के अग्निशमन विभाग ने तूफान के चलते दो लोगों की मौत की पुष्टि की है। एक व्यक्ति तेज हवाओं के चलते पेड़ से गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई और दूसरा व्यक्ति के वाहन पर एक पेड़ गिर गया, जिससे उसकी जान चली गई।

काओसिउंग में साल 1977 में आए तूफान में 37 लोगों की हुई थी मौत

टाइफून अक्सर प्रशांत महासागर की ओर ताइवान के पूर्वी तट पर आते हैं, लेकिन क्रैथॉन इस मामले में असामान्य है क्योंकि यह सीधे पश्चिमी तट से टकराया है। काओसिउंग शहर में पिछली बार 1977 में जब यह इस तरह के तूफान से टकराया था, तब

टाइफून थेल्मा ने 37 लोगों की जान ले ली थी और शहर को तबाह कर दिया था। एक अलग आपदा में, पिंगटुंग के सबसे दक्षिणी काउंटी में सरकार ने कहा कि एक अस्पताल में बिजली गिरने से लगी आग से छह लोगों की मौत हो गई। जलवायु परिवर्तन के चलते इन दिनों तूफान की घटनाएं बढ़ रही हैं।

लेबनान से अपने नागरिकों को बाहर निकालने के लिए और चार्टर्ड उड़ानें शुरू करेगा ब्रिटेन, सरकार ने की घोषणा

लंदन। ब्रिटेन सरकार ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वह लेबनान से अपने नागरिकों को निकालने के लिए और चार्टर्ड विमानों की उड़ानें शुरू करेगा। यह फैसला लेबनान और इस्राइल के बीच जारी संघर्ष के मद्देनजर लिया गया है। इस हफ्ते पहले ही उड़ानों की माग बढ़ गई थी। विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि ये अतिरिक्त उड़ाने तब तक जारी रहेंगी, जब तक कि सुरक्षा की स्थिति अनुकूल रहती है। इसके साथ ही एफसीडी ने यह भी कहा कि वह ब्रिटिश नागरिकों के लिए वाणिज्यिक उड़ानों की क्षमता बढ़ाने के लिए रहा है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड साफ है कि लेबनान की स्थिति अस्थिर नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है। यही अतिरिक्त चार्टर्ड उड़ानों की घोषणा कर उन्होंने ब्रिटेन के नागरिकों से आग्रह करें और लेबनान को तुरंत छोड़ दें। पंजीकृत हो चुके हैं, उन्हें सीट के लिए भेजी जाएगी। जो लोग अभी तक पंजीकृ कराएं। ब्रिटेन के सभी नागरिक, उनके जीवनसाथी या साथी और 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे एक मान्य यात्रा दस्तावेज के साथ इसके पात्र हैं। एफसीडीओ ने कहा कि उनके अधिकारी लंदन, बेरूत और आसपास के इलाकों में चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं, ताकि वे ब्रिटेन के नागरिकों को मदद प्रदान कर सकें। एफ एफसीडीओ रैपिड डिप्लॉयमेंट टीम भी लेबनान पहुंच चुकी है, ताकि ब्रिटेन के दूतावास के अधिकारियों की ओर से दी जानी वाली सहायता को मजबूत किया जा सके। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने बुधवार को साइप्रस का दौरा किया, जहां उन्होंने करीब 700 ब्रिटिश सैन्य कर्मियों से मुलाकात की। इन सैन्य कर्मियो को लेबनान में अपने नागरिकों की मदद के लिए आपातकालीन योजना के तहत तैनात किया गया है। उन्होंने अपने साइप्रेस के समकक्ष वासिलिस पालमास के साथ पश्चिम एशिया में तनाव को कम करने को लेकर चर्चा की। हीली ने अपने इस्राइली समकक्ष योआव गैलेंट से भी फोन पर बात की और ईरान के मिसाइल हमलों की निंदा की और लेबनान में शांति व संघर्ष विराम का आह्वान किया।

दक्षिणी ताइवान के अस्पताल में लगी आग, कम से कम आठ लोग झुलसे; मदद के लिए इलाके में सेना तैनात

ताइपे। तूफान से प्रभावित दक्षिणी ताइवान में गुरुवार की सुबह एक अस्पताल में आग लग गई। इस हादसे में कम से कम आठ लोग झुलस गए। यह आग पिंगटुंग काउंटी में लगी। यह क्षेत्र क्रैथॉन तूफान से बुरी तरह से प्रभावित है। तूफान के कारण यहां भूस्खलन की घटनाएं भी देखने को मिलीभारी बारिश और तेज हवाओं के कारण कुछ इलाके पूरी तरह से ठप हो गए। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। दर्जनों मरीजों को अस्पताल से बाहर निकालकर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। मरीजों को अस्पताल से निकालने और आग बुझाने में दमकलकर्मियों की सहायता के लिए पास के बेस से सैनिकों को तैनात किया गया था।

बैंकॉक में स्कूल बस में लगी थी आग

ताइवान के अस्पताल में आग लगने से पहले मंगलवार को बैंकॉक में छात्रों और शिक्षकों को ले जा रही एक बस में आग लग गई। इस हादसे में 25 लोगों के मारे जाने की आशंका है। बस में 44 लोग सवार थे। यह लोग मध्य उथाई थानी प्रांत से बैंकॉक स्थित स्कूल जाने के लिए बस में सवार हुए थे, तभी दोपहर के करीब बस में आग लग गई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो में पूरी बस आग में घिरी हुई दिखाई दे रही है। यहां तक कि सड़क पर खड़ी बस के बाहर काले धुएं का गुबार उठ रहा है। घटनास्थल पर मौजूद एक बचावकर्मी ने परिवहन मंत्री को बताया कि आग संभवतः एक टायर में विस्फोट होने और वाहन के सड़क के अवरोधक से टकराने के बाद लगी।

मैक्सिको : ग्वाटेमाला सीमा के समीप सेना की गोलीबारी में छह प्रवासियों की मौत

मैक्सिको के ग्वाटेमाला की सीमा के समीप एक ट्रक पर सैनिकों की गोलीबारी में छह प्रवासियों की मौत हो गई। रक्षा विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। विभाग के एक बयान के अनुसार, सैनिकों ने दावा किया कि जब सोमवार देर रात ट्रक और दो अन्य वाहन दक्षिणी राज्य चियापास में हुइक्सटला शहर के समीप उनके तैनाती स्थल के पास पहुंचे तो उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी। ट्रक मिस्र, नेपाल, क्यूबा, घ्छभारत, पाकिस्तान और एक अन्य देश से प्रवासियों को ले जा रहा था, जिस पर दो सैनिकों ने गोलियां चलाईं। सैनिक जब ट्रक के समीप पहुंचे तो उन्होंने चार प्रवासियों को मृत पाया जबकि 12 लोग घायल थे। बाद में घायलों में से दो प्रवासियों की मौत हो गई। ट्रक में सवार अन्य 17 प्रवासियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उसमें कुल 33 प्रवासी सवार थे। आम तौर पर इसी इलाके से प्रवासियों की तस्करी की जाती है, जिन्हें अक्सर मालवाहक ट्रकों में भरकर ले जाया जाता है।

सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व मंत्री को 12 महीने की जेल, भ्रष्टाचार के आरोप में ठहराए गए थे दोषी

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व परिवहन मंत्री एस. ईश्वरन को गुरुवार को हाईकोर्ट ने 12 महीने की जेल की सजा सुनाई है। उन्हें लोक सेवक के तौर पर अपने दो व्यापारी मित्रों से सात साल में 403,300 सिंगापुर डॉलर मूल्य के उपहार लेने के आरोप में दोषी पाया गया था। 24 सितंबर को उन्हें उपहार लेने और न्याय को अवरुद्ध करने के चार मामलों में 62 वर्षीय ईश्वरन को दोषी दोषी ठहराया गया था। सजा सुनाने के दौरान जज विंसेंट हूंग ने कहा कि उन्होंने अभियोजन और बचाव पक्ष दोनों की ओर से सजा पर विचार किया, लेकिन वे दोनों स्थितियों पर सहमत होने में असमर्थ रहे। जज ने बताया कि पूर्व मंत्री ने उपहार लेकर अपने पद का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि ईश्वरन ने सार्वजनिक बयान देकर इन आरोपों को झूठा बताया था। जज ने आगे कहा, घ्धानमंत्री को भेजी गई चिट्ठी में ईश्वरन ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए इसे झूठ बताया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।